

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरद, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोलॉजी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो हिब, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू माइक्रो सर्जरी, पुरो सर्जरी, बेस्कुलर सर्जरी...एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वतः..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 13 अक्टूबर 2026

दिन - मंगलवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 257

मूल्य - 5 रुपये

7 Years

IN HEALTH, NURS & REHABIL

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपन भरत योजना (PMJAY) एवं PMJAY के अंतर्गत निशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरौड़ा

पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन ऊंचाईयों पर, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन हाशिये पर..

क्या पूर्व मंत्री को अब मिलने लगे हैं करनी के परिणाम..

जगप्रेरणा बालाघाट। कहते हैं की जीवन में जब भी अवसर मिले, अच्छा करो, ना कर सका तो भी बुरा तो बिल्कुल मत करो। लेकिन इस कहावत को मानने वाले लोग हैं कितने, लेकिन जितने भी हैं, देर सबेर उसके परिणाम उन्हें मिल ही जाते हैं। अब बालाघाट जिले की राजनीति में ही इस कहावत को अब चरितार्थ होते देखा जा रहा है, और इस तरह की चर्चाएं भी अब गली और चौक

चौराहों पर होने लगी है। बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वरिष्ठता की बात की जाए तो बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में और मध्यप्रदेश की राजनीति में राजनीतिक हैसियत ढाल सिंह बिसेन के मुकाबले गौरीशंकर बिसेन की अधिक रही है। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन दो बार सांसद रहे, तीन बार मंत्री, 6 बार विधायक रहे, लेकिन पार्टी को यदि वरिष्ठता और अनुभव के आधार पर राज्यपाल की नियुक्ति की अनुशंसा करनी थी तो राष्ट्रपति के समक्ष गौरीशंकर बिसेन की कि जाती, लेकिन गौरीशंकर बिसेन की नियुक्ति नहीं करते हुए ढाल सिंह बिसेन को राज्यपाल नियुक्त किया गया, जिसके बाद बालाघाट जिले में भी यह चर्चाएं होने लगी कि देखो, ढाल सिंह बिसेन ऊंचाईयों पर और पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन हाशिये पर।

आखिरकार गौरीशंकर बिसेन को कोई ऐसी सम्मानजनक पोष्ट पर अवसर क्यों नहीं दिया गया, इस बात को लेकर चर्चाएं और बहस भी छौड़ गई, वहीं यह नियुक्ति संपूर्ण बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में राजनीतिज्ञों को भी आश्चर्यचकित कर गई।

जगप्रेरणा बालाघाट। कहते हैं की जीवन में जब भी अवसर मिले, अच्छा करो, ना कर सका तो भी बुरा तो बिल्कुल मत करो। लेकिन इस कहावत को मानने वाले लोग हैं कितने, लेकिन जितने भी हैं, देर सबेर उसके परिणाम उन्हें मिल ही जाते हैं। अब बालाघाट जिले की राजनीति में ही इस कहावत को अब चरितार्थ होते देखा जा रहा है, और इस तरह की चर्चाएं भी अब गली और चौक

चौराहों पर होने लगी है। बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वरिष्ठता की बात की जाए तो बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में और मध्यप्रदेश की राजनीति में राजनीतिक हैसियत ढाल सिंह बिसेन के मुकाबले गौरीशंकर बिसेन की अधिक रही है। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन दो बार सांसद रहे, तीन बार मंत्री, 6 बार विधायक रहे, लेकिन पार्टी को यदि वरिष्ठता और अनुभव के आधार पर राज्यपाल की नियुक्ति की अनुशंसा करनी थी तो राष्ट्रपति के समक्ष गौरीशंकर बिसेन की कि जाती, लेकिन गौरीशंकर बिसेन की नियुक्ति नहीं करते हुए ढाल सिंह बिसेन को राज्यपाल नियुक्त किया गया, जिसके बाद बालाघाट जिले में भी यह चर्चाएं होने लगी कि देखो, ढाल सिंह बिसेन ऊंचाईयों पर और पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन हाशिये पर।

आखिरकार गौरीशंकर बिसेन को कोई ऐसी सम्मानजनक पोष्ट पर अवसर क्यों नहीं दिया गया, इस बात को लेकर चर्चाएं और बहस भी छौड़ गई, वहीं यह नियुक्ति संपूर्ण बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में राजनीतिज्ञों को भी आश्चर्यचकित कर गई।

निपटाऊ राजनीति के बादशाह विधानसभा चुनाव में बुरे निपटे.. और मानो सामने आ गई पार्टी नेतृत्व के सामने सारी हकीकत..

गौरतब है कि बालाघाट सहित प्रदेश की राजनीति में एक अवसर था कि गौरीशंकर बिसेन का बड़ा बोलबाला था। जब प्रदेश की राजनीति में पूर्व सांसद और मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के धुर विरोधी होते हुए गौरीशंकर बिसेन बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र से सांसद थे, तब पटेल विरोधी होने के चलते शिवराज सिंह चौहान का वरदहस्त गौरीशंकर बिसेन को मिलता चला गया। इस दौर में जिले में प्रशासनिक नियुक्तियों से लेकर हर फैसले बिसेन के अनुरूप किये जाने लगे। शिवराज सिंह चौहान सरकार में कहीं अपने बड़बोलेपन और बिगड़े बोल के लिये गौरीशंकर बिसेन सुर्खियों में रहे, तो वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के खिलाफ बयानबाजी करने की हिमाकत तक बिसेन ने कर डाली थी, जबकि वहीं जिले की राजनीति में अपनी राजनीतिक नैया पार लगाने के लिये गौरीशंकर बिसेन पार्टी के अन्य नेताओं के भी लगातार पर कतरते रहे। स्व. पुरनकुमार आडवानी, कैलाश अग्रवाल, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, भारती पारधी, पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, पूर्व मंत्री स्व. दिलीप भट्टे, डॉ. योगेन्द्र निर्मल, पूर्व सांसद के.डी. देशमुख, गौरव सिंह पारधी, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, लता एलकर, डुलेन्द्र ठाकरे आदि अनेक नेताओं के कदम कदम पर पर कतरने का काम बड़ी ही होशयारी से गौरीशंकर बिसेन समय के अनुरूप करते चले गए। पवार समाज और अन्य समाज में अपने वर्चस्व का उपयोग करते हुए गौरीशंकर बिसेन समय समय पर ऐसा करने में सफल तो रहे, लेकिन इस तरह की राजनीति के कारण गौरीशंकर बिसेन बालाघाट जिले के विकास की दिशा में वो सार्थक कदम नहीं उठा पाए, जो उठा सकते थे, और इसका परिणाम यह हुआ कि बालाघाट जिला देखते ही देखते उद्योग विहिन होता हुआ ब्रॉडगेज, ओवरब्रीज जैसे महत्वपूर्ण विकास को लेकर भी पिछड़ता चला गया, जबकि भ्रष्टाचार की पाईप लाइन से लेकर आय से अधिक संपत्ति के गंभीर आरोपों से भी गौरीशंकर बिसेन घिरते चले गए। उनके कार्यकाल में खेरी पटाखा विस्फोट जैसा दर्दनाक और दुखद हादसा भी हुआ, जिसमें जिम्मेदारों को सजा से बचा लिया गया, वहीं कोरोना काल में की गई स्वास्थ्य सेवाओं की कमियां सहित गौरीशंकर बिसेन के कारनामों से आम जनता के बीच इतना विरोध कायम हो गया कि आम जनता ने गौरीशंकर बिसेन को 27 हजार मतों के अंतर से चुनाव हराकर घर बिठा दिया। इस तरह आम जनता की जरूरतों को नजर अंदाज करने के कारण जहां आम जनता ने गौरीशंकर बिसेन को घर बिठा दिया तो वहीं पार्टी वरिष्ठों को भी यह समझते देर नहीं लगी कि गौरीशंकर बिसेन की गुटबाजी और स्वयं भू राजनीति के कारण बालाघाट जिले में भाजपा सिर्फ 02 सीटों पर सिमट गई। इस स्थिति में पार्टी में जिला स्तर पर भी गौरीशंकर बिसेन की स्थितियां अब हाशिये पर नजर आने लगी है, वहीं जबकि पार्टी ने ढाल सिंह बिसेन को बड़ा सम्मान दिया है, तो स्वाभाविक रूप से तुलनात्मक चर्चाओं में गौरीशंकर बिसेन के हाशिये पर होने की चर्चाएं भी एक बार जोरों से होने लगी है।

बोधसिंह की कटवाकर ढाल सिंह को टिकिट दिलवाने जिद्दी भूमिका निभाई थी गौरीशंकर ने..

गौरतलब है कि बालाघाट जिले की राजनीति में पर कतरने और पर जोड़ने के उस्ताद गौरीशंकर बिसेन की जब चल रही थी, और जिले में संगठन से लेकर सत्ता पर पूरी कमांड एक तरफा उनके हाथ में थी, तब गौरीशंकर बिसेन ने वारासिवनी के विधानसभा चुनाव में विरोधी आडवानी गुट को काम पर लगाने के लिये ऐन चुनावी तैयारियों के दौरान बोधसिंह भगत की टिकिट कटवा दी थी, लेकिन फिर जब बाजी पलट गई और पार्टी ने गौरीशंकर बिसेन की कोशिशों पर पानी फेरते हुए उनकी बेटी मौसम को 2014 के संसदीय चुनाव में उम्मीदवार नहीं बनाते हुए बोधसिंह भगत को उम्मीदवार बना दिया तो बिसेन और उनके पुरे परिवार को बोधसिंह भगत लगातार खटकते चले गए। बोधसिंह भगत सांसद बने तो उनके हर काम यहां तक सांसद निधि पर भी अतिक्रमण की बहुल कोशिशें गौरीशंकर बिसेन करते रहे। अधिकारियों को बोधसिंह भगत के काम नहीं करने की भी सख्त हिदायतें दी जाती थी, जबकि इसके बावजूद जनसेवा में बोधसिंह भगत पुरी ताकत से सक्रिय थे। जिले में वर्चस्व की लड़ाई में जब बोधसिंह भगत आक्रामक होकर गौरीशंकर बिसेन से लड़ भिड़े तो फिर गौरीशंकर बिसेन ने पार्टी आलाकमान के समक्ष बालाघाट की पुरी कार्यकारिणी के साथ पहुंचकर पुरजोर विरोध कर बोधसिंह भगत को उम्मीदवार स्वीकार नहीं करने के संदर्भ में ताकत लगा दी। इस स्थिति में गौरीशंकर बिसेन जब मौसम को फिर टिकिट दिलाने में सफल नहीं हो रहे थे तो उन्होंने ढाल सिंह बिसेन का नाम सामने कर दिया, कि ढाल सिंह बिसेन को टिकिट दे दो, लेकिन बोधसिंह भगत नहीं चलेगा। गौरीशंकर बिसेन की यह कोशिश सफल हुई और ढाल सिंह बिसेन जिनके विधानसभा चुनाव जीतने के लाले पड़े हुए थे, अब 2019 के चुनाव में सांसद निर्वाचित होने में सफल रहे थे। ढाल सिंह बिसेन सांसद बने तो पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की नजरों में भी ढाल सिंह बिसेन आ गए। और आज इसी का परिणाम है कि ढाल सिंह बिसेन की वरिष्ठता और अनुभवों को देखते हुए उन्हें राज्यपाल नियुक्त किया गया है, जबकि 2024 के संसदीय चुनाव में फिर एक झटका खाने के साथ ही गौरीशंकर बिसेन अब पूरी तरह से राजनीतिक हाशिये पर नजर आ रहे हैं। माना जा सकता है कि यदि गौरीशंकर बिसेन ने अपने राजनीतिक जीवन में आगे बढ़ने, बढ़ाने और विकास की राजनीति की होती तो वास्तव में जितने अवसर मिले, सबसे अधिक ऊंचाईयों पर गौरीशंकर बिसेन ही होते।

राष्ट्रपति मुर्मू ने फेरबदल कर विभिन्न राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति..

नयी दिल्ली, (भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कई राज्यों के राज्यपालों में फेरबदल करते हुए नियुक्तियों की है। इन नियुक्तियों में केरलम के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु का राज्यपाल नियुक्त किया। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर केरलम के नए राज्यपाल होंगे। वह आर्लेकर की जगह लेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। झारखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता ब्रज मोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल और ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। इसमें कहा गया है कि ये नियुक्तियां संबंधित राज्यपालों के अपने-अपने पदों का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी।

2003 में विधायक और उमाभारती सरकार में मंत्री बनने के बाद लगातार चुनाव में हारते चले गए थे ढाल सिंह बिसेन..

जगप्रेरणा बालाघाट। बालाघाट के पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन को भाजपा सरकार की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है, जिससे कि पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। ढाल सिंह बिसेन के सामाजिक राजनीतिक जीवन के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार ढाल सिंह बिसेन का जन्म तिथि 14 मई 1952 को हुआ था। वे शुरू से भाजपा के सदस्य रहे। वे होम्योपैथिक के डॉक्टर रहे तथा कृषि और मेडिकल स्टोर के व्यवसाय से जुड़े रहे। ढाल सिंह बिसेन मध्य प्रदेश विधानसभा में कई बार विधायक रहे। दिग्विजय सिंह सरकार में 1990, 1993, 1998 में वे लगातार विधायक चुने जाते रहे, जबकि 2003 में केओलारी/बरघाट से उन्होंने विधानसभा चुनाव जीता। और वर्ष 2003 से 2005 के बीच मध्य प्रदेश की उमाभारती और बाबुलाल गौर सरकार में परिवहन, खनन, वन, स्कूल शिक्षा एवं जेल विभाग के कैबिनेट मंत्री रहे। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के चौथे राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष 2011 से 2013 तक रहे। लेकिन 2003 के बाद लगातार चुनाव हारते चले गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में ढाल सिंह बिसेन को भाजपा उम्मीदवार बनाया गया, और फिर वे 2019 से 2024 तक बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र के सांसद रहे।

Scooter बोलें तो ACTIVA 110CC & 125CC

स्कुटर का किंग

निमर एव अर्धे तन्त्र

The Honda Joy Fest

इस त्यौहार, घर आये होंडा - घर आये खुशी

ड्रीम्स होंडा महोत्सव

इतिहास में पहली बार

3 साल बाद गाड़ी की

कीमत का 50% बायबेक की गारंटी

आज ही बुक करें अपनी मनपसंद होंडा गाड़ी और उपहार में पायें चांदी का सिक्का

कम खर्च, ज्यादा फायदा स्मार्ट लोगों की पहली पसंद !

Shine 100 CC

ड्रीम्स होंडा गोंदिया रोड, बालाघाट 8349272776, 9109942776

बैहट 9039003376

कटंगी 8962022276

वारासिवनी 9893552276

लालबरा 8085112276

किरनापुर 8085882276

लांजी 9301750675

बिरसा 9669526297

चांगोटोला 8959143504

खैरलांजी 8962992776

CMYK

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुंवर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

मान्यता

ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियों सुधारी जाती है।

HERO **BAJAJ** **HONDA** **TVS** **मनीष वर्मा**
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

टीएल बैठक में हुई समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

50 दिनों से अधिक सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के निर्देशन में 12 अक्टूबर को जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा द्वारा समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की गई।



गई। इस दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई।

सीईओ सुश्री मीणा ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की

गतिविधियों की समीक्षा करते हुए बैहर, बिरसा, लांजी एवं परसवाड़ा में कार्यों में तेजी लाने तथा 100 विलेज माइक्रो प्लान की प्रगति की जानकारी प्रत्येक सप्ताह प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित जनविश्वास अभियान शिविरों की ग्रेडिंग, सेवा संकल्प अभियान एवं सेवा सेतु अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई।

संबल योजना के कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अनुग्रह सहायता, अंत्येष्टि सहायता एवं आहार अनुदान के प्रकरणों का शीघ्र

निराकरण करने को कहा गया। साथ ही खाद्य विभाग को पात्रता पत्तों के लंबित आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में शिक्षा एवं महिला बाल विकास विभाग के जर्जर भवनों तथा डिस्पेंसल भवनों की जानकारी ली गई।

स्वास्थ्य विभाग से वैकसीनेशन एवं एएनसी पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही पंचायत एवं महिला बाल विकास विभाग के निर्माणधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

महंगाई राहत, स्वास्थ्य बीमा, चिकित्सा सहायता संहिता

05 सूचीय मांगों को लेकर बालाघाट में पेंशनरों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश के पेंशनरों की विभिन्न लंबित मांगों के निराकरण को लेकर पेंशनर संगठन द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन प्रस्तुत कर पांच सूचीय मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई है। ज्ञापन में पेंशनरों को महंगाई राहत, स्वास्थ्य बीमा योजना, अनुग्रह राशि, चिकित्सा सहायता तथा चतुर्थ क्रमोत्तर वेतनमान का लाभ प्रदान करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि केंद्र सरकार के समान पेंशनरों को 2 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई राहत (डीआर) शीघ्र प्रदान की जाए, ताकि बढ़ती महंगाई के बीच उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। संगठन ने पेंशनरों के लिए 20 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने की मांग की है। इसके लिए पेंशनरों के मूल पेंशन के एक प्रतिशत के बराबर प्रीमियम निर्धारित



करने का प्रस्ताव रखा गया है। संगठन का कहना है कि उम्र बढ़ने के साथ पेंशनरों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और इलाज पर होने वाले खर्च का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा योजना उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक होगी।

इसके अलावा पेंशनर की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करने की मांग की गई है। ज्ञापन में उत्तर प्रदेश सरकार की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी पेंशनरों के लिए 50 हजार रुपये की चिकित्सा सहायता राशि का प्रावधान करने की मांग रखी

गई है। संगठन ने 30 अप्रैल 2016 के बाद 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चतुर्थ क्रमोत्तर वेतनमान का लाभ देने की मांग भी उठाई है। संगठन के अनुसार, इन मांगों का निराकरण होने से प्रदेश के पेंशनरों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक एवं चिकित्सा संबंधी राहत मिल सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम प्रस्तुत ज्ञापन में संगठन के पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार से पेंशनरों की समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मांगों का शीघ्र निराकरण करने का आग्रह किया है।

कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से न छूटे, विशेष अभियान शुरू 1785 मतदान केंद्रों पर लगाए जा रहे विशेष शिविर.. बीएलओ, एईआरओ और ईआरओ से कर सकते हैं संपर्क

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के परिपालन में बालाघाट जिले में कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (छद्म) द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत जिले के सभी 1785 मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले का कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे। इसके लिए निर्वाचन विभाग द्वारा जमीनी स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य किया जा रहा है, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा सकें।

शिकायत के लिए निर्वाचन अधिकारियों से करें संपर्क

यदि किसी व्यक्ति को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, नाम छूटने या निर्वाचन संबंधी किसी अन्य समस्या को लेकर शिकायत है, तो वह अपने क्षेत्र के बृथ लेवल ऑफिसर (ब्रह्म) से संपर्क कर सकता है। इसके अतिरिक्त जिले में कार्यरत 12 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण

अधिकारियों (छद्म) और 6 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (छद्म) को भी अपनी शिकायत या समस्या से अवगत कराया जा सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना अभियान की प्राथमिकता है।

विभाग का संकल्प है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम शामिल होने से वंचित न रहे। इसके लिए विशेष शिविरों के माध्यम से मतदाताओं की समस्याओं का निराकरण करने और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री डी.पी.बर्मन ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित रह गए पात्र नागरिकों के नाम अब दोबारा सूची में शामिल किए जा रहे हैं।

इसके लिए बीएलओ द्वारा घर-घर संपर्क अभियान चलाकर पात्र लोगों से आवश्यक दस्तावेज लिए जा रहे हैं। एसआईआर के दौरान अनमैड अथवा तार्किक विवेकान्तियों के कारण जिन पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, वे बीएलओ के संपर्क अभियान के दौरान आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करवाकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। इसके लिए फर्म-6 भरना होगा। फर्म-6 के साथ किसी प्रकार का घोषणा पत्र देने की आवश्यकता नहीं है।

18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले युवा भी कर सकते हैं आवेदन

ऐसे युवा, जिन्होंने 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, वे भी फर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कर सकते हैं। वहीं 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं से भी अग्रिम रूप से फर्म-6 भरावाए जा रहे हैं।

पात्र मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले के सभी 1785 मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा रैन बसेरों, श्रमिक बस्तियों तथा बेघर एवं वंचित वर्ग के पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए आवश्यकता अनुसार विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

ईसीआईजेट से घर बैठे भर सकते हैं फार्म-6

मतदाता ईसीआईजेट एप के माध्यम से घर बैठे यह भी जांच सकते हैं कि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं। नाम नहीं होने की स्थिति में इसी एप के जरिए ऑनलाइन फर्म-6 भरकर आवेदन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन करने पर आवेदन सीधे संबंधित बीएलओ की आईडी में पहुंच जाता है।

निर्वाचन विभाग ने पात्र नागरिकों और नए मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय रहते अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

पटाखों की अस्थाई अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन शुरू, 26 अक्टूबर अंतिम तिथि

जगप्रेरणा बालाघाट।

दीपावली पर्व को देखते हुए जिले में पटाखों के क्रय-विक्रय के लिए अस्थाई अनुज्ञप्ति जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। आतिशबाजी का कारोबार करने के इच्छुक व्यक्ति 26 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन प्रस्तुत कर

सकते हैं। इस संबंध में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट श्री डी.पी. बर्मन ने आवश्यक जानकारी दी है। अस्थाई पटाखा अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के लिए आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ संबंधित थाने से प्राप्त चरित्र सत्यापन रिपोर्ट, भुगतान की रसीद, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली बिल तथा मोबाइल नंबर सहित आवश्यक

दस्तावेज संलग्न करने होंगे। आवेदन की सुविधा ऑनलाइन भी उपलब्ध है। इच्छुक आवेदक मध्यप्रदेश शासन के पोर्टल <https://services.mp.gov.in/eservice/> पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 129 स्थित दफ्तरी शाखा में कार्यालयीन समय के दौरान जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। ऐसे में पटाखों की अस्थाई बिक्री के लिए अनुज्ञप्ति लेने के इच्छुक आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन करें और दस्तावेजों की पूर्ति सुनिश्चित करें।

बालाघाट बीएड कॉलेज में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में बालाघाट बीएड कॉलेज, मांडापुर गार्ग में नालसा की बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना के अंतर्गत विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला न्यायाधीश श्री दीप नारायण सिंह ने विद्यार्थियों को विधिक जागरूकता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि युवाओं को कानून की जानकारी होना आवश्यक है, ताकि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझ सकें। शिविर का उद्देश्य कानून से संघर्षरत किशोरों के अधिकारों की रक्षा, कानूनी समस्याओं की रोकथाम, प्रारंभिक सहायता तथा जबरनतम युवाओं को विधिक प्रतिनिधित्व एवं पुनर्वास संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कार्यस्थल पर अधिकारों तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में भी जानकारी दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालाघाट के सचिव श्री सतीश शर्मा ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने, सफलता प्राप्त करने और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाती है। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में भी सहायक होती है। श्री शर्मा ने विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना, साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, नशे के दुष्परिणाम, महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराधों में निर्धारित दंड तथा बालिकाओं के अधिकारों की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने पॉक्सो एक्ट, पॉश एक्ट, मोटर वाहन अधिनियम एवं पॉइंट प्रतिकर योजना के संबंध में भी विस्तार से बताया। शिविर में महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक कर उन्हें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग बनाना रहा।

विभागीय लेखा प्रशिक्षण परीक्षा 29 नवंबर को, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर..

जगप्रेरणा बालाघाट।

विभागीय लेखा प्रशिक्षण परीक्षा वर्ष 2026 का आयोजन आगामी 29 नवंबर 2026 को यूआईटी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल में किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए लेखा प्रशिक्षण प्राप्त पात्र अभ्यर्थियों एवं कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री दीपक राणा ने सभी आह्वन एवं सूचितरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने कार्यालयों के अंतर्गत आने वाले पात्र अभ्यर्थियों एवं कर्मचारियों के आवेदन निर्धारित प्रारूप में तीन प्रतियों में तैयार कराएं। आवेदन के साथ आवश्यक सत्यापित दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। निर्धारित प्रारूप में तैयार आवेदन पत्र एवं संबंधित दस्तावेज शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, जबलपुर के प्राचार्य कार्यालय में 13 अक्टूबर 2026 को अपराह्न तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित कार्यालयों को सभी पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन विशेष वाहक के माध्यम से निर्धारित समय-सीमा में भेजने के लिए कहा गया है।

इस प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन समय पर प्राप्त कराना है, ताकि वे विभागीय लेखा प्रशिक्षण परीक्षा में सम्मिलित हो सकें। संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का पालन करते हुए समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रेषित करने के लिए कहा गया है।

आवश्यकता है.. - बालाघाट शहर के प्रसिद्ध डिस्ट्रीब्यूटर वाधवानी फटाखा बाजार एवं विजय सेल्स में कार्य के लिये मार्केटिंग सेल्समेन, पुरुष एवं महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। पद संख्या - 12, आकर्षक वेतन एवं सुविधाएं.. संपर्क करें.. 9425639000, 9300039839

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा

3 मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

live जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

ग्राम पंचायत कत्ती में कथित वित्तीय अनियमितताओं पर सवाल, सरपंच-सचिव के लेनदेन पर रोक लगाने की मांग

ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को सौंपा आवेदन..

जगप्रेरणा सिवनी। सिवनी जिले कि जनपद पंचायत घंसौर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कत्ती में निर्माण कार्यों



में कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्राम पंचायत के पंचों एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर सिवनी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सरपंच एवं सचिव के वित्तीय लेनदेन अधिकारों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। आवेदकों का आरोप है कि अनियमितताओं के मामले में वसूली आदेश जारी होने के बावजूद ग्राम पंचायत में भुगतान और राशि आहरण का सिलसिला जारी है।

वसूली के आदेश जारी होने का दावा..

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी के न्यायालय द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत कत्ती में निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं एवं घटिया कार्यों के मामले में वसूली आदेश जारी किए गए हैं। आवेदन के अनुसार सरपंच श्रीमती सुमन कुमरे से 2 लाख 22 हजार 200 रुपये, तत्कालीन सचिव जयंत मरकाम से 2 लाख 22 हजार 200 रुपये तथा उपयंत्री राकेश कोसले और तत्कालीन सहायक यंत्री राजुल नामदेव से 2 लाख 500-2 लाख 500 रुपये की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। हालांकि, इन आदेशों के बावजूद सरपंच के वित्तीय अधिकारों पर रोक नहीं लगाए जाने को

लेकर आवेदकों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि यदि अनियमितताओं के मामले में कार्रवाई की गई है, तो आगे की वित्तीय गतिविधियों की निगरानी भी आवश्यक है।

1 अक्टूबर के आदेश के बाद 5 अक्टूबर को भुगतान का आरोप

आवेदन में एक महत्वपूर्ण बिंदु यह भी उठाया गया है कि कथित तौर पर 1 अक्टूबर 2026 को वसूली आदेश जारी होने के बाद 5 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत से 1 लाख 90 हजार 18 रुपये का भुगतान किया गया। आवेदकों ने इस भुगतान के औचित्य और संबंधित वित्तीय प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है।

62 लाख रुपये के आहरण का आरोप..

आवेदनकर्ताओं का आरोप है कि ग्राम पंचायत कत्ती में प्रकरण न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी में पंजीबद्ध होने के बाद से कथित तौर पर बिना कार्य कराए लगभग 62 लाख रुपये का आहरण किया जा चुका है। इस संबंध में बैंक स्टेटमेंट संलग्न किए जाने की बात भी आवेदन में कही गई है। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और संबंधित निर्माण कार्यों के भौतिक सत्यापन से ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आवेदन में बताया गया है कि कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी द्वारा

23 अप्रैल 2026 को जारी आदेश क्रमांक 439 के माध्यम से वर्तमान सचिव फूलभान शाह पन्दे से वित्तीय प्रभार हटाकर सचिव रितेश चौकसे को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। आवेदकों का कहना है कि बाद में सरपंच एवं सचिव की डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (DSC) दोबारा सक्रिय कर दी गई,

जिसके बाद भुगतान भी किया गया। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों और वसूली आदेशों के बीच डीएससी दोबारा सक्रिय करने का आधार क्या था तथा इसके बाद किए गए भुगतान की प्रक्रिया नियमों के अनुरूप थी या नहीं।

वित्तीय अधिकारों पर रोक लगाने की मांग..

ग्राम पंचायत के पंचों एवं अन्य आवेदकों ने कलेक्टर तथा जिला पंचायत सीईओ से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित बैंक खातों और भुगतान अभिलेखों की जांच हो तथा जांच पूरी होने तक नियमानुसार आवश्यक अंतरिम कदम उठाए जाएं। उन्होंने भविष्य में संभावित वित्तीय अनियमितताओं को रोकने के लिए वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्था बनाने का भी अनुरोध किया है।

अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर

ग्राम पंचायत कत्ती से जुड़े इस मामले में लगाए गए आरोपों की सत्यता संबंधित दस्तावेजों, बैंक विवरण, निर्माण कार्यों के सत्यापन और संबंधित अधिकारियों के पक्ष के आधार पर ही तय होगी। प्रशासन की जांच और कार्रवाई से ही स्पष्ट हो सकेगा कि वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों में कितनी सच्चाई है और जिम्मेदारों के विरुद्ध आगे क्या कदम उठाए जाते हैं।

गरीब आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार बंद होना चाहिये - नरेश



जगप्रेरणा सिवनी। **भाजपा शासन में सारे नियम कानून, सख्ती, कार्यवाही गरीब किसान आदिवासियों के लिए ही है वर्षों से छपारा क्षेत्र सीताफल उत्पादन में अव्वल रहा है,** वहीं के गरीब आदिवासी सीताफल फसल आने की राह ताकते रहते है उसे वह नेशनल हाईवे 44 और व्यापारियों को बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण करते है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने कहा कि वन विभाग ने तुगलकी फरमान जारी करते हुए आदिवासी किसानों के सीताफल लाने पर मध्यप्रदेश वन उपज(जैवविविधता का संरक्षण और पोषण कटाई) नियम 2005 के नियम 3,4,5 के अन्तर्गत कार्यवाही कर उनके फल जप्त कर लिए है

जो कि गरीब आदिवासियों के साथ अन्याय पूर्ण कार्यवाही है सिवनी जिले में वनो की अवैध कटाई वन विभाग की भूमि पर अवैध उत्खन्न, वन प्राणियों का शिकार चरम पर है वन विभाग के अधिकारियों को यह सब दिखाई नहीं देता, उन पर कार्यवाही करने की हिम्मत वन विभाग की नहीं होती।

श्री मरावी ने आगे कहा कि एक तरफ जिले की संवेदनशील कलेक्टर आदिवासी ग्रामीण जनों को सीताफल से रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर रही है वहीं दूसरी ओर उनके अधिनस्थ वन विभाग के कर्मचारी आदिवासी ग्रामीणों पर अन्याय पूर्ण कार्यवाही कर रहे हैं। ज्ञात हो कि सीताफल की फसल कुछ समय की रहती है यदि दो चार दिन सीताफल रोक लिया गया तो वह अधिक पक कर खराब हो जाता है, जंगलो से सीताफल लाने की जो बात वन विभाग

कर रहा है यदि उन्हें समय रहते नहीं तोड़ा गया तो वह खराब हो जाएंगे, यदि वन विभाग को वन क्षेत्रों पर सीताफल तोड़ने की पाबंदी लगा था तो वह वन क्षेत्रों में ही फल तोड़ने वालो को पकड़े वहीं जसी की कार्यवाही करते, आदिवासी किसानों द्वारा व्यापारियों को फल बेचे जाने एवं फुटपाथ पर दुकान लगाकर बेचने पर जो कार्यवाही की गई है वह पूर्णतः गलत है वन विभाग ने व्यापारी की दुकान पर आकर यह कैसे तय कर लिया कि यह फल वन क्षेत्र से ही तोड़कर लाया गया है, किसानों के खेत एवं निजी भूमि पर भी सीताफल के पेड़ होते है।

श्री मरावी ने कहा कि भाजपा सरकार में गरीब आदिवासियों पर अत्याचार बंद होना चाहिये, वर्षों से उनके पारम्पारिक व्यवसाय पर कुठाराघात नहीं होना चाहिये। उन पर जो कार्यवाही हुई है वन विभाग को वापस लेकर उन्हें अपना व्यवसाय करने देना चाहिये, वन क्षेत्र के सीताफल फसल की रक्षा वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों को अपने कार्य क्षेत्र में करना चाहिये।

माई से माई के दरबार तक गूंजेगा जय माता दी का जयघोष, निकलेगी भव्य चुनरी यात्रा..

15 अक्टूबर को माता दिवाला से राजराजेश्वरी मंदिर तक निकलेगी आस्था की चुनरी यात्रा, एक किलोमीटर लंबी चुनरी बनेगी आकर्षण का केंद्र..

जगप्रेरणा सिवनी। **शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर धर्मनगरी सिवनी में भक्ति, श्रद्धा और सनातन आस्था का विराट स्वरूप देखने को मिलेगा। श्रीराम भक्त सेवा समिति के तत्वावधान में आगामी 15 अक्टूबर, गुरुवार को 'माई से माई के दरबार**

तक आस्था की चुनरी यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मां भगवती के चरणों में श्रद्धा अर्पित करने के लिए निकलने वाली यह यात्रा नगर में धार्मिक एकता, सनातन संस्कृति और मातृशक्ति की भक्ति का अनुपम संदेश देगी। आयोजन समिति ने बताया कि 15 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे माता दिवाला मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं मां भगवती के

जयकारों के साथ आस्था की चुनरी यात्रा का शुभारंभ होगा। श्रद्धालु मां के दरबार में शीश नवाकर एक किलोमीटर लंबी चुनरी लेकर भक्ति भाव से यात्रा में शामिल होंगे। मंदिरों और प्रमुख मार्गों से होकर पहुंचेगी मां के दरबार..

माता दिवाला मंदिर से प्रारंभ होने वाली चुनरी यात्रा मठ मंदिर, छिंदवाड़ा चौक, धर्मशाला, नगर पालिका चौक और नेहरू रोड होते हुए शुक्रवारी पहुंचेगी। यहां से यात्रा काली चौक स्थित काली मंदिर, बरघाट रोड, गणेश चौक और पुनः शुक्रवारी होते हुए गिरजा कुंड पहुंचेगी। इसके बाद श्रद्धालुओं का विशाल कारवां माता राजराजेश्वरी मंदिर पहुंचेगा, जहां मां भगवती के चरणों में चुनरी अर्पित कर महाआरती की जाएगी। महाआरती के साथ इस दिव्य एवं भक्तिमय यात्रा का विधिवत समापन होगा।

एक किलोमीटर लंबी चुनरी बनेगी श्रद्धा का प्रतीक..

चुनरी यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण एक किलोमीटर लंबी चुनरी होगी। श्रद्धालु मां भगवती के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और समर्पण प्रकट

करते हुए चुनरी के साथ यात्रा में शामिल होंगे। नवरात्रि के पावन दिनों में निकलने वाली यह यात्रा नगर में ‘जय माता दी’ मां भवानी के जयकारों और भक्ति गीतों से आध्यात्मिक वातावरण को गुंजायमान करेगी।

सनातन समाज से भव्य सहभागिता का आह्वान..

आयोजन समिति ने सिवनी नगर के समस्त सनातन समाज की मातृशक्ति, पुरुष वर्ग सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं, दुर्गा पूजा पंडाल समितियों तथा गणेश उत्सव पूजन समितियों सहित सभी श्रद्धालु वर्ग से इस पुण्य एवं भक्तिमय आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है।

समिति ने अपील की है कि मां भगवती की भक्ति, सनातन संस्कृति और धार्मिक एकता के इस महापर्व में सभी श्रद्धालु परिवार सहित सहभागिता करें और आस्था की चुनरी यात्रा को भव्य, दिव्य एवं ऐतिहासिक बनाएं। नवरात्रि के पावन अवसर पर मां के दरबार तक निकलने वाली यह यात्रा केवल चुनरी यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, समर्पण, संस्कार और सनातन आस्था का विराट उत्सव बनने जा रही है।

स्कूटी और मोटर साइकिल की आमने-सामने टक्कर, दो घायल

जगप्रेरणा सिवनी। **जिले के घंसौर थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे पीपर टोला गांव के पास स्कूटी और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई।**

हादसे में वाहनों पर सवार चालक, एक महिला और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से 108 एम्बुलेंस में घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर पहुंचाया गया। घायलों की पहचान बिनेकी निवासी सहिल यादव



जानकारी अभी सामने नहीं आई है। दोनों वाहन किस दिशा से आ रहे थे और टक्कर कैसे हुई, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है।

सड़क पर सावधानी बरतना जरूरी..

ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों की बढ़ती आवाजाही के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। तेज रफ्तार, लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। वाहन चालकों को निर्धारित गति से वाहन चलाने, मोड़ पर विशेष सावधानी रखने और हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की जरूरत है। नाबालिगों के वाहन चलाने को लेकर भी अभिभावकों को सतर्क रहना चाहिए।

संभागीय कार्यालय जबलपुर जांच टीम द्वारा अमृत 2.0 योजना अंतर्गत जलप्रदाय परियोजना कार्य की जांच..

जगप्रेरणा सिवनी। **संभागीय कार्यालय जबलपुर द्वारा सिवनी नगरीय क्षेत्र अंतर्गत जलप्रदाय परियोजना कार्य में डीपीआर के**

विपरीत घटिया निर्माण, अनियमित भुगतान की जांच कराने टीम गठित की गई थी उक्त जांच टीम के अधिकारीगण सत्यम जाट, सहायक यंत्री, योगेन्द्र बाथरी, उपयंत्री, अमित श्रीवास्तव टीम लीडर,



निरिक्षण एवं कार्य संपादन हेतु स्वीकृत डिजाइन-ड्राईंग सह समस्त अभिलेखों का परीक्षण किया गया है। वहीं जांच टीम के साथ नगर पालिका सीएमओ सुश्री दिशा डेहरिया, सहायक यंत्री श्रीमति देवेश्वरी धुर्वे, उपयंत्री जोतेश मंडाले रहे, तथा समस्त जांच के दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमति डॉली अमित डागौर, पार्षद राजकि अकील, राजेश राजू यादव, संजय भलावी, जोषेब जकी अनवर, श्रीमति राजश्री संदेश बास्सा, श्रीमति आकांक्षा शिबू सेंगर की उपस्थिति रही।

साधारण सम्मिलन में जन हित के विषयों को शामिल करने की मांग

जगप्रेरणा सिवनी। सिवनी नगरपालिका में आगामी त्थैहार नवरात्रि, दशहरा, दीपावली को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्षद दल द्वारा जनहित के मुद्दे को लेकर विशेष सम्मिलन आहूत किए जाने को लेकर एक दिनांक 07/10/2026 को पत्र सौंपा गया। जिसमें 4 विषयों का समावेश किया गया। 1.नगर में बढ़ते आवारा कुत्ते एवं पशुओं की बढ़ती संख्या से उत्पन्न समस्या के निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही 2.नगर की सफाई व्यवस्था प्रमुख मार्गों, वार्डों, बाजार क्षेत्रों एवं धार्मिक स्थलों के आस पास सफाई के लिए विशेष अभियान 3. अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत किए जा रहें कार्यों की समिक्षा 4. भवन निर्माण अनुज्ञा के संबंध में 5. जलापूर्ति सुधारे जाने एवं दुषित पेयजल की समस्या हल किए जाने, 6. नजूल लीज नामांतरण में नगरपालिका में हो रहें अदेय एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र देने में सरलता की जाए। इन विषयों को दिनांक 16/10/2026 को आयोजित साधारण सम्मिलन में जोड़ा जा सकता था किन्तु जानबूझकर नहीं जोड़ा गया।

इसके पूर्व में भी कांग्रेस पार्षद दल द्वारा जनहित के अनेक मुद्दों को लेकर विशेष सम्मिलन आहूत किये जाने के संबंध में अनेक पत्र दिये जा

चुके है, कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया की नगर विरोधी नीति के चलते परिषद में सम्मिलन नहीं बुलाया गया। 16/10/2026 को होने वाले साधारण सम्मिलन में 46 विषयों को शामिल किया गया है जिसमें अधिकांश विषय करोड़ों रूपय की खरीदी के है, टाटा डम्पर 6 चक्का 38 लाख 90 हजार रु. 5 नग ई-वाहन टीप्पर 44 लाख 95 हजार रु., घर घर से कचरा संग्रहण परिववाहन एवं प्रसंस्करण ठेके पर दिया जा रहा है 3 करोड़ 67 लाख 97 हजार 3 सौ 12 रु. यहाँ विचारणीय प्रश्न यह है कि यह कार्य ठेके पर दिया गया है 83 लाख रु. वाहनों पर क्यों खर्च किए जा रहें है।

इसी तरह जल प्रदाय शाखा में इंटकवेल वर्टिकल टरवाईन पम्प क्रं 01 (200 एचपी) मरमम्मत कार्य वय राशि 24 लाख रूपय, इंटकवेल वर्टिकल टरवाईन पम्प क्रं. 02 (200 एचपी) मरमम्मत कार्य वय राशि 22 लाख रूपय। जितनी राशि सिवनी नगरपालिका टरवाईन पम्प मरमम्त में बिना निविदा आमंत्रित किए खर्च कर रही है उससे कम राशि में ब्रांडेड नये टरवाईन पम्प क्रय किये जा सकते थे, इसी तरह फ्ल्टर प्लांट में 240 एचपी मोटर पम्प अनुमानित लागत 77 लाख रूपय क्रय किये जाने का भी प्रस्ताव लाया गया है।

सिवनी नगरपालिका की हालत किसी से छिपी नहीं है कार्यकारी अध्यक्ष को सिर्फ और सिर्फ सामाग्री क्रय से मतलब रहता है क्योंकि इक्में उनका आर्थिक हित जुड़ा हुआ है चाहे नगरपालिका को इससे कितना ही आर्थिक नुकसान क्यों न हो, इसके पूर्व में भी चलित शौचालय, टेक्स्टर, फर्बकर पेशाब घर, छोटी जेसीबी, निम्न स्तर के पानी टैंकर लाखो रूपय की खरीदी अनावश्यक रूप से की गई। कांग्रेस पार्षद दल द्वारा नगरपालिका में हो रही आर्थिक अनियमितताओं की शिकायत जिला कलेक्टर, उपसंचालक नगरीय प्रशासन विभाग जबलपुर, प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विभाग भोपाल से अनेको बार की गई किन्तु हमारी शिकायतों पर संबंधितों के खिलाफ किसी प्रकार की जांच नहीं होती न ही हमें कोई कार्यवाही के संबंध में पत्र दिये जाते। लूट की खुली छूट भाजपा की सरकार में दे दी गई है।

कांग्रेस पार्षद दल की ओर से शफीक खान, सोहेल पाशा, चंदनसिंह खताबिया, श्रीमती आकांक्षा शिबू सेंगर, श्रीमती नेहा धीरज पृथ्वानी, महमूद खान, राजकि अकील, राहुल बघेल, जोषेब जकी अनवर ने परिषद के साधारण सम्मिलन में जन हित के विषयों को शामिल करने की मांग की थी।

बरघाट में प्राइवेट स्कूल संचालक मंच की बैठक 14 अक्टूबर को..

जगप्रेरणा सिवनी। प्राइवेट स्कूल संचालक मंच, ब्लॉक बरघाट की आवश्यक बैठक बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को शाम 4 बजे ग्लोबल प्ले स्कूल, वार्ड नंबर 1 (एसडीओपी कार्यालय के पास), बरघाट में आयोजित की जाएगी। बैठक का आयोजन प्राइवेट स्कूल संचालक मंच, जिला सिवनी के कार्यकारी अध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।बैठक में ब्लॉक बरघाट के समस्त निजी विद्यालय संचालकों को आमंत्रित किया गया है। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने, ब्लॉक कार्यकारिणी के विस्तार, संचालक मंच की सदस्यता तथा जिला कार्यकारिणी के लिए योग्य एवं सक्रिय संचालकों के नामों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके साथ ही, विद्यालय संचालन के दौरान संचालकों को आ रही विभिन्न समस्याओं एवं

कठिनाइयों पर भी गहन चर्चा होगी, ताकि आपसी संवाद और संगठनात्मक एकजुटता के माध्यम से उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल की जा सके।

संचालकों से समय पर पहुँचने की अपील..

प्राइवेट स्कूल संचालक मंच, ब्लॉक बरघाट के अध्यक्ष श्री राजलाल सिंह पटेल ने क्षेत्र के सभी संचालक साथियों से बैठक में समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है। उन्होंने सभी से अपील की है कि वे अपने संपर्क में आने वाले अन्य निजी विद्यालय संचालकों को भी बैठक की सूचना दें और उन्हें साथ लेकर आएँ। बैठक के संबंध में ब्लॉक अध्यक्ष राजलाल सिंह पटेल ने बताया कि ब्लॉक कार्यकारिणी का विस्तार संचालक मंच की सदस्यता पर चर्चा। जिला कार्यकारिणी के लिए नामों पर विचार-विमर्श।

मानवता की मिसाल: 200 लोग देखते रहे तमाशा, दो युवकों ने बचाई घायल की जान

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा। बंडोल थाना क्षेत्र के कलारबाकी गांव के पास शनिवार को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने खेत से लौट रहे बुजुर्ग को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कलारबाकी निवासी रामकुमार पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं बाइक सवार की भी गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के समय मौके पर करीब 200 लोग मौजूद थे, लेकिन सभी तमाशा देखते रहे। किसी ने मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया। इसी बीच राहगीर नाहिद खान और फरदीन

खान ने मानवता की मिसाल पेश की। उन्होंने घायल बाइक सवार को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर अस्पताल पहुंचाना शुरू किया। रास्ते में 112 वाहन मिलने पर घायल को उसमें शिफ्ट कर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

बुजुर्ग रामकुमार पटेल को भी जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों का इलाज जारी है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद नाहिद खान और फरदीन खान की लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी

डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCIP

डॉ. समीर आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

हॉस्पिटल
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ो जयारत डाहडा फेक्टरी रोड अक्टूबर वार्ड सिवनी

मिक्ले का समय सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

मो. - 8817448039



खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..



ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका पर कसा शिकंजा

डरबन, (एपी)।
ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को किरिसमीड में पहले टेस्ट के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 314 रन बनाकर घोषित की जिससे दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 421 रन का लक्ष्य मिला। दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका



ने चार विकेट पर 102 रन बना लिए थे और उसे अंतिम दिन जीत के लिए 319 रन की जरूरत है जबकि उसके सिर्फछह विकेट शेष हैं। मैट रेनशॉ ने 82 रन की शानदार पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहली पारी में करियर के सर्वश्रेष्ठ 190 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने कप्तान तेम्बा बावुमा और ट्रिस्टन स्टब्स के विकेट भी जल्दी गंवा दिए। दोनों बल्लेबाज एक-एक रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने पर एडेन मार्काराम 115 गेंद पर 45 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि वियाना मुल्डर पांच रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं। रेनशॉ के लिए यह टेस्ट यादगार रहा। उन्होंने पहली पारी में 190 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 82 रन बनाए और टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला विकेट भी हासिल किया। उन्होंने बावुमा को शॉर्ट लेग पर निक मैडिनसन के हाथों कैच कराया। दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले रेयान रिक्लेटन का विकेट दो रन पर गंवा दिया था। वह जोश हेजलवुड की गेंद पर कैच आउट हुए। हेजलवुड

ने उन्हें इस मैच में दूसरी बार आउट किया। डेविड बेडिंगम भी हेजलवुड की गेंद पर पाबाथा आउट हुए। वह लगातार दूसरी पारी में अर्धशतक से चूक गए। उन्होंने पहली पारी में 49 रन बनाए थे जबकि दूसरी पारी में 46 रन बनाए। पैट कर्मिस ने स्टब्स को विकेट के पीछे कैच कराकर दक्षिण अफ्रीका को चौथा झटका दिया जिससे टीम का स्कोर चार विकेट पर 86 रन हो गया। मार्करस को 15 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला जब उनका शॉट विकेटकीपर एलेक्स कैरी की कोहनी से टकराकर स्लिप के ऊपर से निकल गया। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के 33 रन से आगे बढ़ाई और लंच तक चार विकेट पर 174 रन बना लिए थे। निक मैडिनसन ने 38 गेंद पर 48 रन बनाए जिसमें दो छक्के शामिल थे। उन्होंने पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद शानदार वापसी की। दूसरे सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड 11 रन बनाकर आउट हुए। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन ने सुबह के सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 77 गेंद में 53 रन जोड़े। स्मिथ ने 27 और लाबुशेन ने 37 रन बनाए। एनरिक नोर्किंया की उछल लेती गेंद स्मिथ के हेलमेट पर लगी। स्मिथ पहले भी

कन्कशन और चक्कर आने की समस्या से जूझ चुके हैं। हेलमेट पर गेंद लगने के बाद स्मिथ ने बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन साइमन हार्मर की गेंद पर कैच आउट हो गए। लाबुशेन और रेनशॉ ने लंच से पहले 31 गेंद पर 32 रन जोड़े। लाबुशेन ड्राइव खेलने के प्रयास में गेंद को सही तरह से नहीं मार सके और 58 गेंद पर 37 रन बनाकर आउट हुए। पहली पारी में भी उन्होंने 37 रन ही बनाए थे। पुरुष टेस्ट क्रिकेट में रन और खेली गई गेंदों की समान संख्या का यह 12वां ज्ञात उदाहरण है। लंच तक ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 280 रन हो गई थी। दूसरे सत्र में रेनशॉ ने 75 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद नोर्किंया ने एलेक्स कैरी को 24 रन पर बोलड कर दिया। रेनशॉ और कैरी ने 84 गेंद पर 48 रन की साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाया। रेनशॉ और ब्यू वेबस्टर ने 71 गेंद पर 65 रन जोड़े। केशव महाराज ने रेनशॉ का अपनी ही गेंद पर कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया। रेनशॉ ने 99 गेंद का सामना किया और दो छक्के लगाए। उन्होंने इस टेस्ट में कुल 272 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कर्मिस की नजरें पारी घोषित करने पर थीं क्योंकि टीम की बढ़त 400 रन के पार पहुंच चुकी थी। कर्मिस और वेबस्टर ने सिर्फ 19 गेंद पर 44 रन जोड़कर स्कोर तेजी से आगे बढ़ाया। वेबस्टर 43 गेंद पर 39 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि कर्मिस ने केवल 12 गेंद पर चार छकों की मदद से 32 रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट पर 314 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और दक्षिण अफ्रीका के सामने 421 रन का लक्ष्य रखा।

सर गारफील्ड सोबर्स सभी के हीरो थे : गावस्कर

मुंबई, (भाषा)।
भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने सोमवार को सर गारफील्ड सोबर्स को याद करते हुए कहा कि बचपन में वह वेस्टइंडीज के इस महान क्रिकेटर को अपना आदर्श मानते थे और उन्हें आउट करने का सपना देखते थे।



पहले 1958 में भारत दौरे पर आई वेस्टइंडीज की टीम के खिलाफगावस्कर ने सोबर्स को नॉर्थ स्टैंड से खेलते हुए देखा था। उन्होंने कहा, ‘‘मैंने उन्हें गुलाम गार्ड की गेंद पर उन्हीं को कैच देते हुए देखा। गुलाम गार्ड बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे। उन्होंने बाउंसर फेंकी, सोबर्स ने हुक शॉट खेलने की कोशिश की और उनका बल्लू हाथ से छूट गया। गेंद हवा में गई और तेज गेंदबाज गुलाम गार्ड ने खुद ही कैच लपक लिया।’’ गावस्कर ने कहा, ‘‘हम सभी इस बात से निराश थे कि वह सिर्फ 25 रन बनाकर आउट हो गए। भारतीय होने के बावजूद हम चाहते थे कि गैरी सोबर्स और रोहन कन्हाई खूब रन बनाएं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।’’ उन्होंने कहा, ‘‘हालांकि, दूसरी पारी में जब गुलाम गार्ड ने एक और बाउंसर फेंकी तो गैरी सोबर्स ने गेंद को टेनिस कोर्ट के पार पहुंचा दिया। मुझे लगता है कि उन्होंने नाबाद 142 रन बनाए थे।’’ वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने भी क्रिकेट समितियों में सोबर्स के साथ काम करने के दौरान उक्त खेहपूर्ण व्यवहार को याद किया। बिशप ने कहा, ‘‘मैंने उनके साथ कुछ क्रिकेट समितियों में काम किया था। वेस्टइंडीज के शुरुआती महान ऑलराउंडरों में शामिल लॉर्ड लियरी कॉन्स्टेंटाइन से लेकर आगे तक, आपसे पहले आए लोगों की उपलब्धियों के आधार पर ही आगे बढ़ते हैं। मुझे यकीन है कि सर गैरी ने भी ऐसा ही किया होगा।’’ उन्होंने कहा, ‘‘क्रिकेट समिति की बैठकों के दौरान सर गैरी से बातचीत करने और उन्हें सुनने के बाद मुझे एहसास हुआ कि वह एक असाधारण इंसान थे। कुछ महीने पहले उनके निधन के बारे में सोचता हूं तो कई बार मेरी आंखों में आंसू आ जाते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के रूप में उनकी विरासत अपनी जगह है।’’

उन्होंने कहा कि महान ऑलराउंडर सोबर्स ‘सभी के हीरो’ थे। क्रिकेट इतिहास के सर्वकालीन महान खिलाड़ियों में शुमार सोबर्स का इस साल जुलाई में 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। गावस्कर ने बॉम्बे जिमखाना में सोबर्स के जीवन और विरासत का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ‘‘मेरे शुरुआती आदर्श असल में एमएल जयसिन्हा थे लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोहन कन्हाई और सर गारफील्ड सोबर्स थे।’’ उन्होंने कहा, ‘‘यह बात कहते हुए मुझे थोड़ा अजीब लगता है लेकिन उन दिनों नेट्स में गेंदबाजी करने के लिए आपको नई गेंद दी जाती थी। कोई यह नहीं देखता था कि आप 22 गज की दूरी से गेंदबाजी कर रहे हैं या उससे थोड़ा आगे से। ब्रेबोर्न स्टेडियम में नेट्स पर गेंद काफी स्विंग होती थी और थोड़ा मूवमेंट भी मिलता था।’’ गावस्कर ने कहा, ‘‘उस समय मुझे लगता था कि मैं अच्छा गेंदबाज हूं। मेरा एक ही सपना था। यह बताते हुए भी मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि मैं रोहन कन्हाई को आउट करना चाहता था क्योंकि मैं अच्छी आउटस्विंग गेंदबाजी कर लेता था। मैं चाहता था कि कन्हाई मेरी गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हों और फिर अगली ही गेंद पर गारफील्ड सोबर्स एलबीडब्ल्यू हो जाएं। यही मेरा

बिपाशा बसु का धांसू कमबैक, हंसल मेहता की अपकमिंग सीरीज में आएंगी नजर, सनी कौशल संग शुरु की शूटिंग..

डेस्क जगप्रेरणा।
बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम भूमिका में नजर आएंगी। ‘राज’ और ‘जिस्म’ जैसी फिल्मों से अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी एक्ट्रेस बिपाशा ने



खुद यह खुशखबरी अपने फैंस को सोशल मीडिया के जरिए दी है। अभी तक इस सीरीज के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेटवा भी इस ओटीटी शो में बिपाशा के साथ काम करेंगे। बिपाशा बसु छह साल के ब्रेक के बाद एक्टिंग में वापसी कर रही हैं। बिपाशा बसु की नई सीरीज का हुआ ऐलान

हंसल मेहता की अपकमिंग सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसे कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है और ‘ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस’ के बैनर तले प्रभलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग

शुरू हो चुकी है। प्राइम वीडियो ने सोमवार को घोषणा की कि इस सीरीज का प्रोडक्शन आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। हाल ही में एक्ट्रेस अपनी हिट फिल्म ‘जिस्म’ को लेकर चर्चा में आई थीं। उन्होंने श्रद्धाद्ध दूतसद्बुद्ध से बातचीत में बताया था कि उन्हें कई लोगों ने यह फिल्म साइन नहीं करने की सलाह दी, क्योंकि उन्होंने चिंता थी कि बोलड सीन करना उनके करियर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हंसल मेहता की नई सीरीज की कहानी

शो की कहानी के बारे में बताया गया है कि यह एक छोटे से गुप्तनाम शहर पर आधारित है, जो महाद्वीप की ‘हेरोइन कैपिटल’ (नशीली दवाओं का गढ़) बनने की कगार पर है। कहानी एक ईमानदार पुलिस वाले (सनी कौशल) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी ईमानदारी और ईंसानियत को बचाए रखने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ता है। बिपाशा और विशाल जेटवा के किरदारों के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। बिपाशा बसु 6 साल बाद करेंगी ओटीटी पर कमबैक

पिछले कुछ सालों से बिपाशा एक्टिंग से काफी हद तक दूर रही हैं। उन्होंने अप्रैल 2016 में एक्टर करण सिंह ग्रेवर से शादी की और अक्टूबर 2022 में उनकी बेटी ‘देवी’ का जन्म हुआ। इससे पहले वह 2020 में रिलीज हुई क्राइम थ्रिलर सीरीज़ ‘डेंजरर्स’ में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने करण के साथ काम किया था। उससे पहले वह 2015 में भूषण पटेल की हॉरर थ्रिलर फिल्म ‘अलोन’ में दिखाई थीं। इस फिल्म में बिपाशा ने जुड़वा बहनों संजना और अंजना का डबल रोल निभाया था और उनके साथ करण भी थे। इसलिए प्राइम वीडियो की यह नई सीरीज उन्हें लंबे समय के बाद एक्टिंग सेट पर वापस ला रही है।

एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों को राजनाथ ने सम्मानित किया..

नई दिल्ली, (भाषा)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापान में हाल ही में हुए एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों को सोमवार को सम्मानित किया। सशस्त्र बलों से जुड़े खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण, 27 पदक जीते जिसमें इश स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं।



राजनाथ ने इस दौरान 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए अभी से सुनियोजित तैयारी करने और प्रदर्शन में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ बातचीत में प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान करने और उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण और खेल सुविधाओं के साथ पोषित करने में मिशन ओलंपिक विंग द्वारा निभाई गई भूमिका पर भी प्रकाश डाला। तीनों सेनाओं के कुल 92 खिलाड़ियों ने 19 स्पर्धाओं में भाग लिया और 27 पदक जीते। इसमें सेना के खिलाड़ियों का योगदान 20 पदकों (छह स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य) का रहा। यह भारत के कुल पदकों में लगभग 24 प्रतिशत है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर पर उपस्थित सेना प्रमुख जनरल धीरज सेट ने भी उन्हें सम्मानित भी किया। भारतीय दल

ने कुल 85 पदक अपने नाम किए, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि महिला खिलाड़ियों का बढ़ता योगदान विशेष रूप से उत्साहजनक रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में सेना की चार महिला मुक्केबाजों ने चार स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, जबकि एशियाई खेलों में सेना की महिला खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। राजनाथ ने कहा कि पदक जीतने तक का सफ़र अथक समर्पण, तड़के सुबह से शुरू होने वाले अभ्यास, जिम में कड़ी मेहनत, चोटों से जूझने, उनसे उबरने और निरंतर प्रयासों से होकर गुजरता है। खिलाड़ियों को खेल की तैयारियों का साथ अपनी सैन्य इकाइयों की जिम्मेदारियों का

निर्वहन भी करना पड़ता है। इस दौरान उन्हें अपने परिवारों से दूर रहकर भी अनुशासन और एकाग्रता बनाए रखनी होती है। राजनाथ ने खिलाड़ियों की सफलता में प्रशिक्षकों, सहयोगी स्टाफ फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञों और उनके परिवारों के योगदान को भी सराहा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कोई भी चैम्पियन अकेले नहीं बनता, बल्कि उसकी सफलता के पीछे पूरी टीम का सामूहिक प्रयास होता है। उन्होंने देश की खेल व्यवस्था को और मजबूत बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि लक्ष्य केवल खेलों में भागीदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि वैश्विक खेल जगत में भारत को एक अग्रणी शक्ति के रूप में स्थापित करना है।

घरामी और पोरेल की शतकीय पारियों से दिल्ली के खिलाफ बंगाल की स्थिति मजबूत

कल्याणी, (भाषा)।
मध्यक्रम के बल्लेबाज सुदीप कुमार घरामी और विकेटकीपर अभिषेक पोरेल के नाबाद शतकों की मदद से बंगाल ने रणजी ट्रॉफी के रूप सी मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को दिल्ली के खिलाफअपनी स्थिति मजबूत कर ली। दिल्ली को रविवार को पहली पारी में 240 रन पर समेटने के बाद बंगाल ने सोमवार को दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में तीन विकेट पर 304 रन बना लिए। घरामी 221 गेंदों पर 122 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पोरेल ने 161 गेंदों पर नाबाद 114 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 199 रन की अटूट साझेदारी कर बंगाल को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। घरामी ने अपनी पारी में 17 चौके लगाए जबकि पोरेल ने अधिक आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और एक छक्का जड़ा। बंगाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 105 रन तक अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। अंकुर पॉल 17, अभिमन्यु ईश्वरन 34 और सुदीप चटर्जी दो रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद घरामी और पोरेल ने मोर्चा संभालते हुए दिल्ली के गेंदबाजों को कोई और सफलता हासिल नहीं करने



दी। दिल्ली की ओर से दिवज मेहरा ने 34 रन, नवदीप सेनी ने 44 रन देकर और आयुष बडोनी ने 37 रन देकर एक-एक विकेट लिया। झारखंड ने जमशेदपुर में सलामी बल्लेबाज शिखर मोहन (143), आदित्य सिंह (147) और कप्तान विराट सिंह (108) के शतकों की मदद से केरल के खिलाफपहली पारी में 587 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। दूसरे दिन खेल समाप्त होने तक

झारखंड की पहली पारी 179.5 ओवर में समाप्त हुई। झारखंड ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 289 रन से की। क्रीज पर मौजूद विराट और आदित्य ने अपनी पारियों को आगे बढ़ाते हुए टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। केरल की ओर से ऑफस्पिनर वैशाख चंद्रन ने 166 रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि अनुभवी जलज सक्सेना ने 126 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। ओडिशा के 324 रन के जवाब में गुजरात ने दो विकेट पर 205 रन बना लिये। सलामी बल्लेबाज आर्य देसाई और वेदांत त्रिवेदी ने समान 94 रन की पारी खेलकर गुजरात को मजबूत शुरुआत दिलाई। देसाई ने 107 गेंद की पारी में 11 चौके और तीन छक्के जड़े जबकि त्रिवेदी ने 160 गेंद की नाबाद पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक गुजरात की टीम ओडिशा के पहली पारी के स्कोर से 119 रन पीछे थी और उसके आठ विकेट शेष है। सेना ने दिल्ली में महाराष्ट्र के 333 रन के जवाब में पहली पारी में एक विकेट पर 74 रन बनाकर मजबूत शुरुआत की है।

श्रीशंकर की लंदन में होने वाली सर्जरी का खर्च केंद्र सरकार उठायेगी: सुरेश गोपी

तिरुवनंतपुरम, (भाषा)।
केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को कहा कि भारतीय लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर के चोट के इलाज के लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय खेल मंत्रालय पूरा सहयोग दे रहे हैं। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान श्रीशंकर चोटिल हो गये थे। उनकी सर्जरी लंदन में होगी। गोपी ने फेसबुक पर कहा कि केंद्र सरकार ने श्रीशंकर की सर्जरी का पूरा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इसके साथ ही उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा और चोट से उबरने के दौरान भी मदद उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताकि वह जल्द स्वस्थ होकर दिवारा प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सके और ओलंपिक की तैयारी कर सके। गोपी के मुताबिक श्रीशंकर की सर्जरी 13 अक्टूबर को लंदन के पौटियस क्लिनिक में होगी। खेलों से जुड़ी हड्डियों और जोड़ों की सर्जरी के विशेषज्ञ पीटर डी‘हूघ की निगरानी में होने वाली लिगामेंट की सर्जरी की जायेगी। केंद्रीय मंत्री ने उपचार के लिए जरूरी धनराशि और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का आभार जताया। गोपी ने श्रीशंकर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा, ‘‘हमारा गौरव मुरली श्रीशंकर इस सर्जरी के बाद नयी ताकत के साथ ओलंपिक की चुनौती के लिए मैदान पर लौटे।- श्रीशंकर ने पिछले सप्ताह पत्रकारों से कहा था कि एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के बाद केरल के किसी भी मंत्री ने उनसे संपर्क नहीं किया। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने पर भी निराशा जताई थी।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक ‘जगप्रेरणा’ अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा

7 मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)



दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

संकल्प और सेवाभाव के साथ राष्ट्र निर्माण में संलग्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारतीय राजनीति में 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन और शासन का अनुभव अपने आप में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई नरेंद्र मोदी की शासन-यात्रा आज 25 वर्ष पूरे कर चुकी है। गुजरात से शुरू हुआ यह सप्तर 2014 में देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुँचा और उसके बाद राष्ट्रीय विकास की एक व्यापक दृष्टि के साथ आगे बढ़ा। नरेंद्र मोदी की इस यात्रा को केवल पदों और चुनावी पड़ावों के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह यात्रा एक ऐसे राजनीतिक दृष्टिकोण के विकास की कहानी भी है, जिसमें शासन, विकास, तकनीक, आत्मनिर्भरता और जनभागीदारी को लगातार महत्व दिया गया। गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में मिले प्रशासनिक अनुभव से लेकर केंद्र में प्रधानमंत्री के रूप में लिए गए निर्णयों तक, उनकी राजनीति में विकास को एक प्रमुख विषय के रूप में प्रस्तुत किया गया।

गुजरात का दौर उनके लिए प्रशासन की पहली बड़ी प्रयोगशाला रहा। 2001 में राज्य की कमान संभालने के बाद बुनियादी ढाँचे, कृषि, निवेश, ऊर्जा और प्रशासनिक व्यवस्था जैसे क्षेत्रों पर जोर दिया गया। समर्थकों ने गुजरात के इस दौर को विकास और प्रशासनिक बदलाव से जोड़ा, जबकि आलोचकों ने शासन से जुड़े विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर सवाल भी उठाए। यही कारण है कि गुजरात का दौर आज भी उनके राजनीतिक सप्तर को समझने में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात से जुड़ा उनका विकास-केंद्रित राजनीतिक अनुभव राष्ट्रीय स्तर पर सामने आया। जन-धन, स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बुनियादी ढाँचे के विस्तार, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों ने शासन और विकास की बहस को नए विषय दिए। डिजिटल तकनीक और डिजिटल सार्वजनिक

अवसंरचना ने भी सरकारी सेवाओं को नागरिकों तक पहुँचाने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव किए।

2019 में दूसरी बार और 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के साथ उनकी राष्ट्रीय राजनीतिक यात्रा एक नए चरण में पहुँची। इन वर्षों में भारत की वैश्विक भूमिका, बुनियादी ढाँचा, विनिर्माण, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा और मूल्यकन समय के साथ विभिन्न आर्थिक और सामाजिक मानकों पर होता रहेगा लेकिन 25 वर्ष की इस यात्रा का सबसे बड़ा विमर्श अब 2047 से जुड़ गया है।

भारत 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने का लक्ष्य सामने रखा है। इस विजन में केवल आर्थिक समृद्धि ही नहीं, बल्कि आधुनिक बुनियादी ढाँचा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य, तकनीकी क्षमता, महिला सशक्तीकरण, युवा शक्ति, कृषि विकास, रोजगार, आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन जैसे व्यापक विषय शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इस लक्ष्य को नागरिकों की सामूहिक भागीदारी से जोड़ते हुए विकसित भारत के निर्माण को एक राष्ट्रीय प्रयास के रूप में प्रस्तुत किया है।

2047 का भारत आज के भारत से कहीं अधिक युवा, तकनीकी और वैश्विक रूप से जुड़ा हुआ होगा। इसलिए आज लिए जा रहे फैसलों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा, आधुनिक परिवहन, अंतरिक्ष विज्ञान और विनिर्माण जैसे क्षेत्र आने वाले भारत की आर्थिक और रणनीतिक क्षमता को निर्धारित करेंगे। ऐसे में 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य केवल सरकार की योजनाओं तक सीमित नहीं रह सकता, इसके लिए उद्योग, किसान, वैज्ञानिक,

शिक्षक, युवा, महिलाएँ और सामान्य नागरिक सभी की भागीदारी आवश्यक होगी।

इस विजन में भारत की पुरानी विरासत और आधुनिकता को साथ लेकर चलने का विचार भी महत्वपूर्ण है। एक ऐसा भारत जो अपनी संस्कृति, परंपरा और ज्ञान की जड़ों से जुड़ा हो, लेकिन विज्ञान, तकनीक और नवाचार में दुनिया के साथ कदम मिलाकर चले। विकास और विरासत का यह संतुलन 2047 की कल्पना को एक व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम देता है।

25 वर्ष पीछे मुड़कर देखने पर नरेंद्र मोदी की राजनीतिक यात्रा गुजरात से दिल्ली तक पहुँचती दिखाई देती है, लेकिन आगे देखने पर इसका लक्ष्य 2047 का भारत है। 2001 में शुरू हुई जिम्मेदारी से लेकर आज विकसित भारत के संकल्प तक यह यात्रा भारतीय राजनीति और शासन के एक लंबे दौर को समेटे हुए है।

अब इस यात्रा की अगली कसौटी आने वाले वर्षों में तय होगी, लेकिन एक बात स्पष्ट है, 2047 का भारत आज के भारत के फैसलों से बनेगा। इसलिए विकसित भारत का सपना केवल भविष्य की कल्पना नहीं, बल्कि वर्तमान की जिम्मेदारी भी है।

नरेंद्र मोदी की 25 वर्ष की राजनीतिक यात्रा का अगला अध्याय इसी जिम्मेदारी और संकल्प से जुड़ा है। गुजरात से शुरू हुआ सप्तर अब उस भारत की कल्पना तक पहुँच चुका है, जो 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाते हुए दुनिया के सामने एक विकसित, आत्मनिर्भर, आधुनिक और अपनी जड़ों से जुड़ा राष्ट्र बनने का प्रयास करेगा। संकल्प आज का है, निर्माण आज से होना है और लक्ष्य, विकसित भारत 2047।

25 वर्षों की यह राजनीतिक यात्रा केवल बीते समय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि आने वाले भारत की दिशा को समझने का अवसर भी है। 2001 में गुजरात से शुरू हुई जिम्मेदारी आज 2047 के उस संकल्प तक पहुँच चुकी है, जहाँ भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी

एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में मनाने की आकांक्षा रखता है।

इस यात्रा में अनेक उपलब्धियाँ हैं, अनेक चुनौतियाँ रही हैं और अनेक निर्णयों पर देश में बहस भी हुई है लेकिन 2047 का लक्ष्य इतना व्यापक है कि इसकी सफलता किसी एक व्यक्ति या सरकार से नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के सामूहिक प्रयास से तय होगी।

आज का भारत जिस आत्मविश्वास के साथ नई तकनीक, नवाचार, बुनियादी ढाँचे, विनिर्माण, अंतरिक्ष, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को आगे बढ़ाने की बात कर रहा है, उसके सामने अगले दो दशक अवसरों के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारियाँ भी लेकर आए हैं।

करोड़ों युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की भागीदारी, किसानों की शक्ति, उद्यमियों की कल्पनाशीलता और वैज्ञानिकों की प्रतिभा इस यात्रा की वास्तविक पूंजी है। इसलिए 2047 का विकसित भारत केवल एक सरकारी लक्ष्य नहीं, बल्कि एक पीढ़ी का राष्ट्रीय संकल्प बनना होगा।

25 वर्ष पहले शुरू हुई राजनीतिक यात्रा का अगला पड़ाव अब केवल सत्ता और शासन तक सीमित नहीं है, वह उस भारत के निर्माण की चुनौती से जुड़ा है, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ विरासत में पाएँगी। सवाल अब यह नहीं कि हमने पिछले 25 वर्षों में क्या हासिल किया, बल्कि यह है कि अगले 21 वर्षों में हम भारत के भविष्य को कितना मजबूत, समावेशी और सक्षम बना पाते हैं।

और शायद इसी भावना को एक पंक्ति में कहा जा सकता है। 25 वर्षों की यात्रा अनुभव की पूंजी है, 2047 का लक्ष्य भविष्य का संकल्प है, अब इतिहास लिखने की जिम्मेदारी आज के भारत और उसकी आने वाली पीढ़ियों के हाथों में है।

गोविन्द सिंह राजपूत
विनायक फीचर्स

ज्ञान के मंदिर में उठते सवाल

जिस आँगन में ज्ञान के दीप, अधियारे को हरते हैं,
जब विचारों के फूल खिलें, सपने आकार गढ़ते हैं।
शिक्षा के पावन मंदिर में, वे ऐसे आरोप भी उमरते हैं,
तो सिर्फकुछ नाम नहीं, विश्वास स्तंभ बिखरते हैं।

गुरु का पद मात्र पदवी नहीं, उत्तरदायित्व महान है,
शिष्य गरिमा की रक्षा, शिक्षा का सच्चा सम्मान है।
जिन हाथों में कलम थी, वे भविष्य सँवारने वाले थे,
यदि उन्हीं पर प्रश्न उठें, तो उत्तर कौन देने वाले हैं?

11 बेटियों की शिकायत, यह कागज़ की बात नहीं,
हर शिकायत के पीछे छिपी, होती 'पीड़ा' अनकही।
अब समय कि सत्य उमरे, हर तथ्य का सम्मान रहे,
दोष सिद्ध हो तो दंड मिले, निर्दोष का भी मान रहे।

ज्ञान तब सच्चा कहाँ, जब आचरण उजला होगा,
गुरु का माथा तब चमके,
जब शिष्य सुरक्षित होगा।

विश्वविद्यालय की ऊँची दीवारों,
संदेश सुनाना तुम,
ज्ञान बढ़ा है-पद न कोई,
नारी सम्मान बचाना तुम।

क्योंकि शिक्षा 'डिग्री' नहीं,
मानवता का विस्तार है,
जहाँ बेटियाँ सुरक्षित नहीं,
वहाँ ज्ञान भी लाचार है।
न्याय हो ऐसा, सच पे टिके,
न दबाव में झुके-बिके,
हर बेटी कहे- 'देश मेरा है,
मेरी आवाज़ न्याय दिखे।'

रचनाकार



संजय एम तराणेकर
कवि, लेखक व
समीक्षक, इन्दौर

दशा महा दशा..

नवरात्रि पर्व है।
छोटा सा शहर है।
गलियों, सड़कों पर है।
200-200 मीटर की दूरी है।
विराजमान प्रतिमाएँ हैं।
भक्तिभाव का जनसैलाब है।
भक्त जन वहीं है।
उन्हें तो सभी जगह
पूजन करनी है।
वैमनस्यता या प्रेम है।
उन सबकी आस्था-विश्वास है।
फिर क्यों अलग-
अलग संदेश है।
घर संसार में फर्क हो सकता है।
सार्वजनिक एकता नहीं है।
फिर दिखावा का क्या मतलब है।
जनतांत्रिक चंदा
देकर पिस रहा है।
अपने मन के विचारों
को पढ़ रहा है।
अपने ही घर पहुँच नहीं रहा है।
जहाँ-वहाँ मार्ग बन्द है।
गाड़ियों से जा नहीं सकता है।
अपराध-उड़ों की बोझा है।
पैदल निकल नहीं सकता है।
चंदा दीजिए।
घर में ही रहकर भक्ति कीजिए?



आचार्य डॉ. वीरेन्द्र
सिंह महरवार 'वीर'

शब्दवर्गपहेली क्र.- 298

1	2	3		4	5	6		7	8		9	10		11	12
	13			14				15		16				17	
18			19				20	21		22					
23			24	25		26		27		28				29	30
31			32			33		34				35			
				36				37		38			39	40	
41	42		43				44	45				46			
47						48					49				
		50		51					52	53					54
55	56		57					58				59	60		
	61			62		63				64					
65			66					67	68		69				
70		71		72			73		74				75		
76			77			78		79					80	81	
		82			83			84					85		
	86			87				88		89	90				
91				92			93			94				95	
96			97				98			99		100			101
102					103	104			105		106	107			108
	109			110		111				112				113	
114				115					116						

ck;।। nk;।।& 1) अपनी ही बात को (फिर वह गलत ही क्यों न हो) सही बतलाना और उसी पर अड़े रहना इस अर्थ का एक मुहावरा 9) जो हारा न हो 13) धातु का लंबा धागा 14) काष्ठ, इंधन 15) अंबाला जिले का एक शहर जहाँ से सिमला के लिये सिधी रेल लाईन जाती है 17) ले आया 18) ईमानदार 21) निश्चित, तय किया हुआ 23) विष्णु का एक नाम 24) अच्छा व्यवहार 28) ठंड के दिनों में चादर के समान ओढ़े जानेवाला रुईभरा मोटा कपड़ा 29) एक ग्रह 31) राजेश खन्ना, श्रीदेवी व जयाप्रदा की एक पुरानी असफल फिल्म 33) हरा

होने की अवस्था या भाव 36) विश्राम 37) वह स्थान जहाँ सिक्के ढाले जाते हैं 39) हिचक, लज्जा 41) एक दल बदल कर दूसरे दल में जानेवाला 45) लाख 46) मार्गशीर्ष, कार्तिक और पूस के बीच का महीना 47) युक्त, महाभारत के एक राक्षस का नाम 48) असंभव 49) एक प्रकार का खट्टा मिट्टा बढ़ा नींबू 51) गौ 52) वीर लड़की 55) तलवार या छुरी की चमक 58) सिंचन, पेड़-पौधों को पानी देना 59) कथन, 'स्टेटमेंट' का हिन्दी पर्याय 61) महाराष्ट्र का एक राजनीतिक दल 64) बुरा और निकृष्ट काम करनेवाला व्यक्ति, लुच्चा 65) औषधि 66) आज से

पहले का दिन 67) काजल बनानेवाली एक पुरानी कंपनी 70) हरा 72) बड़प्पन 74) मारने-काटने की क्रिया 76) संदेह करना 78) फिल्म जगत का एक बहुत पुराना हास्य अभिनेता 80) कौआ 82) विलुप्त या मग्न 83) इकट्ठा किया हुआ धन, खजाना 84) ग्रामीण बोली में पदार्थ शब्द का उच्चारण 85) नाड़ी, रक्तवाहिनी 86) घृणा 88) स्त्री, महिला 89) दांत (सं.) 91) बुरा काम, नेकी का विरुद्धार्थी 92) उर्दू में शुक्रवार 93) वादा का बहुवचन 94) भाग्यशाली 96) एक साथ सफर करनेवाला 98) परीक्षा करना, जांच करना 100) कान और आंख के बीच का स्थान 102) श्रम सहित 103) मेघ 105) यश प्राप्त करना इस आशयवाला मुहावरा 108) बायां 109) अन्यथा 111) आशंका, सितकनी, कोई पेंच जिसके दबाने से 'खट' शब्द होता है 112) पति का छोटा भाई 113) टिगना 114) शर 115) हाथ से दबाते हुये रगड़ना 116) अलंकृत होना या सजना

Aij।।uhpi।& 2) पहली भारतीय 'मिस वर्ल्ड' 3) शव 4) लम्बी नुकीली चीज, मेख 5) एक इतिहास प्रसिद्ध तीरंदाज भिल्ल जिसने द्रोणाचार्य को गुरुदक्षिणा के रूप में अपना अंगुठा काटकर दिया था 6) जंजीर, श्रृंखला 7) पानी रखने का खुले मुंह का बड़ा पात्र 8) अशुद्ध 10) वह स्वामिभक्त धाय मां जिसने अपने बच्ची की कुर्बानी देकर मेवाड़ के राणा उदयसिंह का पालन किया 11) जिले का सर्वोच्च अधिकारी

12) उससे (सं.) 16) डरपोक 18) किसी वस्तु अन्यत्र ढोकर ले जाने की क्रिया 19) सैनिकों को दी जानेवाली खाद्य सामग्री 20) विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल 22) औरंगजेब के एक भाई का नाम 25) साबूत छोटे आलुओं की बनाई गयी मसालेदार सब्जी 26) झुठा शक 27) 'रिपोर्ट' का हिन्दीकरण 30) चुनाव 32) लगभग, नजदीक 34) किसी दस्तावेज या लेखपत्र को हुबहु उतारने का काम, नकलनवीस का काम 35) असंगत, जो मेल खाता न हो 38) अदालत में दी जानेवाली गवाही 40) धुएँ के रूप में प्रातःकालगिरनेवाली ओस 41) आग बुझाने का

यंत्र 42) लोप 43) वेदना 44) बिहार का एक राजनीतिक दल 46) महाराष्ट्र के विदर्भ का एक प्रमुख शहर 48) एक मलयालम फिल्म जिसकी हिन्दी में री-मेक फिल्म 'दयावान' थी 49) दांतों से काटना 50) खिजाब 53) रचयिता 54) उपवास, अन्नत्याग 56) परिवार संबंधी 57) जनता (अंग्रेजी) 59) बदलाव 60) प्रसिद्ध साहित्यिक महादेवी वर्मा की एक काव्य कृती 62) कलम काटना, टुकड़े करना 63) भरण पोषण 64) आय व्यय पत्रक (अंग्रेजी) 65) ऐसा भय जिससे मनुष्य हिंमत हार जाये और दीर्घ समय तक बना रहे 68) वफादारी 69) हिन्दी के एक प्रसिद्ध हास्य-व्यंग कवि जो हथरस के निवासी थे 71) कष्ट 73) मजीरा, करतल ध्वनि 75) ठहरने का स्थान, पड़ाव 77) धावक (अं.) 79) खुद के बारे में अनहोनी कल्पना करना इस आशय का एक मुहावरा, खाब देखना 81) दासी 85) धनिक 86) माधुरी दीक्षित, संजय दत्त और सलमान खान की पुरानी फिल्म 'साजन' के संगीतकार 87) अनुभव 90) डर के मारे संकुचित स्थान में छिपना 91) वाद-विवाद 93) आक्रमण, चोट 95) नापने का काम दूसरे से करवाना 97) युद्ध 98) पीछे लौटना या मुड़ना 99) महाराष्ट्र के वह प्रसिद्ध संत जिनके पद 'गुरु ग्रंथसाहिब' में संग्रहीत हैं 101) सजावट, तड़क-भड़क 104) हस्तक्षेप, कब्जा 106) आवरण (अं.) 107) पीटना 110) वह शब्द जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु का बोध हो

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

सी	ता	रा	म	के	स	री		न	ह	ले	प	र	द	ह	ला		कु	तू	ह	ल	
मा	त		ग	त		त	र			ब	द	न		म	ख	म	ल		रि		
न्त		म	न	न		रि	हा	क	र	ना		र		ला			दे	व	दा	सी	
गां	धा	री				सु	वा	स		त	न	य		स		आ	स	व		स	ना
धी	र	ज		ग		ज	हा	ज		दि		या	रि	स		ता	ला		ता		
	या		अ	ब	ला			मा	प	ना		ब	ल	या	न			य	व	न	
ल	ड	क	प	न		प	री		ह	व	स		ज	ज		धा	त	क		ना	
ज्जा		ता	रा			आ	रे		म	ना		त	ल	वा		प	ह	ल		म	
	स	म	धी			द	श		ज	वा	ब	त	ल	ब		र		ना	ज	नी	न
पा	र				क	म	रा		लि		हू		का		पा	व	स		ल	ला	ट
स	दा	ब	हा	र		व	न	स	दा		प	र	नि	क	ल	ना		म		ना	
	र	ह				मा	ल	या		वा	सु	की	भ्या		त	वा	य	फ			
रा	नी	ल	क्ष्मी	बा	ई		ना	श	क	र		आ	प	लि	ज	न	क		त	म	
म		ना		जी		जी		नि	र	मि	ला	धा			बा	ध		प्र	ह	र	
रा	जी			ग	जा	न	न		वा		प	ढ	ना		न	र्म	दा		वा		
म	जा	क	क	र	ना			व	र	ना		ता		मी	ठा		ब	ज	वा	ना	



इस्पात कंपनियों कार्बन उत्सर्जन घटाने, विशेष इस्पात का घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर करें काम: सीतारमण..

नई दिल्ली, (भाषा)।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू इस्पात उत्पादकों से कार्बन उत्सर्जन कम करने और विशेष इस्पात का घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान देने का आग्रह किया।



सीतारमण ने यहां वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन की आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने विशेष इस्पात के लिए 6,300 करोड़ रुपये के व्यय वाली उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है।

यह योजना घरेलू विनिर्माण और आधुनिक प्रौद्योगिकी में निवेश को प्रोत्साहित करती है। इससे देश अपनी अर्थव्यवस्था की जरूरत के मुताबिक अधिक विशेष इस्पात का उत्पादन कर सकेगा।

उन्होंने कहा, “वैश्विक उद्योग का बड़ा हिस्सा अतिरिक्त उत्पादन क्षमता और कमजोर मांग से जूझ रहा है, वहीं भारत में घरेलू खपत और लगातार निवेश के कारण अलग तरह की स्थिति देखने को मिल रही है।”

वित्त मंत्री ने कहा, “खपत लगातार दो साल से उत्पादन से अधिक रही है। यह घरेलू बाजार की मजबूती को दर्शाता है और आगे वृद्धि की काफी संभावनाएं बनी हुई हैं।”

उन्होंने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत करीब 109 किलोग्राम है, जबकि वैश्विक औसत 209 किलोग्राम है। ऐसे में देश

में इस्पात की खपत बढ़ने की काफी गुंजाइश है। सरकार के लगातार सार्वजनिक पूंजी निवेश कार्यक्रम से इस्पात की मांग बढ़ रही है। केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 2026-27 में बढ़कर 12.2 लाख करोड़ रुपये हो गया है जो 2014-15 में करीब दो लाख करोड़ रुपये था।

उन्होंने कहा कि निर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में देश के कुल इस्पात उपयोग का करीब दो-तिहाई हिस्सा जाता है। इसलिए यह निवेश सीधे इस्पात की मांग में तब्दील होता है। सार्वजनिक निवेश से उद्योग को घरेलू बाजार में लगातार मांग मिलती है और क्षमता विस्तार तथा आधुनिकीकरण में निवेश का भरोसा बढ़ता है।

सीतारमण ने इस्पात उद्योग के लिए पांच प्राथमिकताएं गिनाईं। इनमें भारत की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना शामिल है।

उन्होंने कहा कि विशेष और उच्च श्रेणी के इस्पात का घरेलू उत्पादन बढ़ने से रणनीतिक उद्योगों को मदद मिलेगी और विशेष प्रकार के इस्पात के आयात पर निर्भरता घटेगी।

वित्त मंत्री ने भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने पर भी

जोर दिया। इसके लिए उत्सर्जन का भरोसेमंद आकलन, प्रौद्योगिकी विकास और बदलाव की लागत का न्यायसंगत बंटवारा जरूरी है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अतिरिक्त उत्पादन क्षमता की समस्या का स्थायी समाधान उन सब्सिडी पर बहुपक्षीय नियम बनाने से ही संभव है, जो आर्थिक रूप से अव्यावहारिक उत्पादन को बढ़ावा देती हैं। इसके लिए पारदर्शी आंकड़ों का सहारा लेना होगा।

सीतारमण ने कहा कि भारत के सामने अपनी विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए कम कार्बन उत्सर्जन वाली उत्पादन क्षमता विकसित करने और प्राचीन काल में विशेष धातु विज्ञान के क्षेत्र में हासिल नेतृत्व को फिर से प्राप्त करने की चुनौती है।

उन्होंने कहा कि वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के सदस्यों के लिए भारत सबसे तेजी से बढ़ता प्रमुख इस्पात बाजार है। देश में सार्वजनिक निवेश कार्यक्रम और हरित इस्पात की रूपरेखा पहले से मौजूद है। सीतारमण ने संगठन से भारत में अपना कार्यालय खोलने पर विचार करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक इस्पात मांग में वृद्धि का सबसे बड़ा एकल स्रोत बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि संगठन ने 2006 में बीजिंग में अपना कार्यालय उस समय खोला था, जब चीन इस्पात की मांग में अधिकांश वृद्धि का प्रमुख कारण था। भारत में संगठन की मजबूत मौजूदगी से उसे अतिरिक्त मांग, प्रौद्योगिकी विकास और औद्योगिक विस्तार के लिए ज़रूरत से महत्वपूर्ण बाजार के और करीब आने में मदद मिलेगी।

जीएसटी अधिकारी कर आधार बढ़ाने, नकद कर संग्रह में वृद्धि पर देंगे ध्यान: सूत्र..

नई दिल्ली, (भाषा)।
केंद्र और राज्यों के कर अधिकारियों से करदाताओं का दायरा बढ़ाने, नकद कर संग्रह में वृद्धि करने तथा कर चोरी करने वालों को पकड़ने के लिए खुफिया जानकारी और



आंकड़ा विश्लेषण की अत्याधुनिक तकनीकी का उपयोग करने को कहा गया है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के नौ साल बाद इसकी दरों और प्रक्रियाओं के लगभग स्थिर होने के साथ ही यह कदम उठाया गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कंपनियों से उपभोक्ता (बी2सी) के बीच लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक बिल व्यवस्था एक अप्रैल, 2027 से लागू होगी। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) राज्यों को इसे अपनाने के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा। जीएसटी अधिकारी कंपनियों के लिए मददगार की भूमिका निभाएंगे और उन्हें बताएंगे कि कर विभाग के पास विस्तृत आंकड़े होने से जांच में किस तरह लाभ मिल सकता है।

सूत्रों ने बताया कि 57वीं जीएसटी परिषद की बैठक में मंजू्र कुछ प्रक्रिया संबंधी सुधारों के लिए केवल नियमों में बदलाव की जरूरत है। इन्हें जल्द लागू किया जा सकता है। पिछले साल जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के आर्थिक लाभ सामने आने के साथ ही अब कर अधिकारी करदाताओं पर अनिवार्य अनुपालन का दबाव डालने के बजाय उनके प्रति अधिक ‘सहयोगात्मक रुख’ अपनाएंगे, ताकि उनमें भरोसा कायम किया जा सके। एक सूत्र ने कहा, “हमने जीएसटी

अधिकारियों से नकद कर संग्रह बढ़ाने और जरूरत से ज्यादा दखल देने के बजाय आंकड़ों का विश्लेषण करने को कहा है। जीएसटी के तहत पंजीकृत करदाताओं की संख्या अच्छी है, लेकिन इसका दायरा बढ़ाने की गुंजाइश है। हमने राज्यों से भी कर आधार बढ़ाने को कहा है।” फिलहाल जीएसटी के तहत करीब 1.68 करोड़ करदाता पंजीकृत हैं।

केंद्र और राज्य के कर अधिकारी एक निर्धारित सूत्र के आधार पर करदाताओं का बंटवारा करते हैं। डेढ़ करोड़ रुपये से कम सालाना कारोबार वाले करदाताओं में से 90 प्रतिशत का जिम्मा राज्य जीएसटी प्रशासन के पास है। शेष 10 प्रतिशत करदाताओं का प्रबंधन केंद्रीय कर प्रशासन करता है। डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक कारोबार वाले करदाताओं को केंद्र और राज्य के कर प्रशासन के बीच बराबर-बराबर बांटा गया है।

सूत्रों ने कहा कि राज्य के कर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नकद कर संग्रह बढ़े और कारोबारियों की उत्पादन कर देनदारी उनके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दावों के बराबर न हो।

एक सूत्र ने आयकर विभाग के ‘नज’ (करदाताओं को स्वेच्छ से अनुपालन के लिए

प्रोत्साहित करने की पहल) अभियान का उदाहरण देते हुए कहा, “हमें अपनी प्रौद्योगिकी व्यवस्था मजबूत करने और बिना अनावश्यक दखल के काम करने का तरीका अपनाने की जरूरत है। हमें आंकड़ों के विश्लेषण में सुधार करना होगा, कमियों का पता लगाना होगा और करदाताओं तक अपनी पहुंच बढ़ानी होगी, ताकि उन्हें नियमों के अनुपालन के लाभ समझाए जा सकें।” सूत्रों ने कहा कि बी2सी इलेक्ट्रॉनिक बिल व्यवस्था से अपूर्ण श्रृंखला में अपूर्णताओं से लेकर अंतिम खरीदार तक के लेनदेन के आंकड़े उपलब्ध हो सकेंगे।

फिलहाल पांच करोड़ रुपये के औसत सालाना कारोबार वाले कारोबारियों के लिए कंपनियों के बीच (बी2बी) बिक्री पर इलेक्ट्रॉनिक बिल तैयार करना अनिवार्य है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने सितंबर, 2024 में बी2सी इलेक्ट्रॉनिक बिल व्यवस्था के प्रायोगिक परीक्षण की सिफारिश की थी। सूत्रों ने बताया कि बी2सी इलेक्ट्रॉनिक बिल व्यवस्था एक अप्रैल, 2027 से स्वैच्छिक आधार पर लागू की जाएगी।

एक सूत्र ने कहा, “हम राज्यों को बी2सी इलेक्ट्रॉनिक बिल के लिए जीएसटीएन प्रणाली का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। कारोबारियों को हम बी2सी इलेक्ट्रॉनिक बिल के लाभ और कर जांच के अनुपालन पर इसके असर के बारे में बताएंगे। चूंकि कर अधिकारियों को बी2बी और बी2सी इलेक्ट्रॉनिक बिलों से विस्तृत आंकड़े मिलेंगे, इसलिए कर प्रशासन में कारोबारियों के साथ बेहतर व्यवहार किया जा सकेगा।”

पटना में बनेगा बिहार का पहला टेक पार्क, 5,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद..

पटना, (भाषा)।
बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में राजधानी पटना के गर्दनीबाग में राज्य का पहला टेक पार्क विकसित करने के लिए एनबीसीसी (इंडिया)



परियोजना से मिथिलांचल और उत्तर बिहार के कृषि उत्पादों को हवाई मार्ग से देश के अन्य राज्यों तथा विभिन्न बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मंत्रिमंडल ने ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों के रखरखाव के लिए ग्रामीण सड़क अनुसंधान एवं प्रबंधन कार्यक्रम (आरआरआरएमपी) लागू करने का निर्णय लिया। इसके तहत उन ग्रामीण सड़कों की नियमित

से साथ समझौता (एमओयू) करने को मंजूरी दी गई। सरकार को उम्मीद है कि इस परियोजना से 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे और 100 से अधिक कंपनियां निवेश के लिए आकर्षित होंगी। बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग की ओर से जारी बयान के अनुसार, मंत्रिमंडल ने बिहार वित्त (संशोधन) नियमावली, के तहत नामांकन के आधार पर एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड का चयन करने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही विभाग और कंपनी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर करने की भी मंजूरी दी गई है।

सरकार के अनुसार, गर्दनीबाग टेक पार्क पटना में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं (आईटीईएस) के पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे राजधानी में आईटी क्षेत्र को बढ़ावा मिलने और अन्य महानगरों की तर्ज पर तकनीकी एवं कारोबारी गतिविधियों का विस्तार होने की उम्मीद है।

यह परियोजना आईटी, आईटीईएस तथा

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने में भी सहायक होगी। सरकार को उम्मीद है कि बिहार आईटी नीति, 2024 और बिहार वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति, 2026 के तहत टेक पार्क के विकास से निवेश के नए अवसर पैदा होंगे।

बयान के मुताबिक, टेक पार्क में 100 से अधिक कंपनियों के निवेश करने की संभावना है। इससे 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं। परियोजना का प्रमुख उद्देश्य राज्य के प्रतिभाशाली युवाओं को राज्य में ही रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर उनके पलायन को कम करना है। मंत्रिमंडल ने दरभंगा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास लॉजिस्टिक पार्क और कार्गो केंद्र विकसित करने के लिए 49.9973 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को 225 करोड़ रुपये की संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। इससे पहले 50 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए 138 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। भूमि मुआवजे की गणना में वृद्धि के कारण अतिरिक्त राशि की स्वीकृति दी गई है। इस

मरम्मत, नवीनीकरण और देखरेख की जाएगी, जिनकी पांच साल की अनुसंधान अवधि पूरी हो चुकी है या भविष्य में पूरी होगी।

इस व्यवस्था का उद्देश्य ग्रामीण सड़कों को समय से पहले खराब होने से बचना, उनकी उपयोगिता बनाए रखना और सरकारी राशि का प्रभावी इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को लंबे समय तक बेहतर बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की पहुंच जिला और क्षेत्रीय स्तर तक बढ़ाई जाएगी। इसके लिए बिहार सूचना प्रौद्योगिकी अवर सेवा नियमावली के तहत व्यवस्था विकसित की जाएगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत प्रमंडल, जिला और प्रखंड स्तर पर तकनीकी जरूरतों को पूरा करने के साथ सरकारी आईटी परियोजनाओं के किफायत, निगरानी और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को मजबूत किया जाएगा। सरकार के अनुसार, इससे सरकारी सेवाओं के डिजिटल करने के कार्य को गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर तकनीकी समस्याओं का समाधान करना आसान होगा।

भारत, ब्रिटेन व्यापार समझौते के इस्तेमाल पर सालाना आंकड़े साझा करेंगे

नई दिल्ली, (भाषा)।
भारत और ब्रिटेन ने अपने व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीडीटीए) के इस्तेमाल से जुड़े आंकड़ों का सालाना आदान-प्रदान करने पर सोमवार को सहमति जताई।

एक संयुक्त वक्तव्य में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, इसमें कम शुल्क का लाभ लेने के लिए कंपनियों की ओर से किए जाने वाले दावों और समझौते के क्रियाव्यवहन पर उनकी प्रतिक्रिया से जुड़े आंकड़े शामिल होंगे। यह प्रक्रिया समझौता लागू होने के एक साल बाद शुरू होगी, ताकि अधिक कंपनियां इसका लाभ उठा सकें। सीडीटीए एक तरह का मुक्त व्यापार समझौता है, जो इस साल 15 जुलाई से लागू हुआ।

इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलती है। इसी तरह, ब्रिटेन के 90 प्रतिशत उत्पाद भारत में या तो शुल्क-मुक्त प्रवेश कर रहे हैं या उन पर कम शुल्क लग रहा है। इससे दोनों देशों के वाहन, विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं, रचनात्मक उद्योगों और चिकित्सा प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों को लाभ मिल रहा है।

भारत-ब्रिटेन संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार



समिति (जेडीटीसीओ) की 16वीं बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया, “हम इस बात पर सहमत हुए कि सीडीटीए लागू होने की तारीख से एक साल बाद से हम हर साल इस बात से जुड़े आंकड़ों का आदान-प्रदान करेंगे कि कंपनियां इस समझौते का किस तरह इस्तेमाल कर रही हैं। इसमें यह आंकड़ा भी शामिल होगा कि कंपनियां कितनी बार सीडीटीए के तहत कम शुल्क का लाभ लेने का दावा करती हैं। इसके साथ ही, इस बारे में कंपनियों की प्रतिक्रिया भी साझा की जाएगी कि क्या बेहतर काम कर रहा है और किन क्षेत्रों में और सहायता की जरूरत है।”

बयान के अनुसार, इससे दोनों देशों को प्राथमिकताओं की साझा तस्वीर मिलेगी और यह पता चलेगा कि वे अधिक कंपनियों, विशेष रूप से छोटे और मझोले उद्यमों को समझौते का लाभ उठाने में किस तरह मदद कर सकते हैं। बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार, नवाचार, विज्ञान एवं व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने की।

बयान में कहा गया, “समझौता लागू होने के एक पखवाड़े के भीतर ब्रिटेन से स्कॉटिश सैल्मन मछली की पहली खेप शुल्क-मुक्त भारत पहुंची। तब से कई हजार किलोग्राम सैल्मन का निर्यात किया जा चुका है। स्कॉट व्हिस्की भी कम शुल्क पर भारतीय बाजार में पहुंची है।

वहीं, शुल्क दर कोटा के तहत निर्यात की गई पहली कारों को सीमा शुल्क मंजूरी मिल गई है और उन्हें भारत में आयात किया गया है।”

बयान में कहा गया, “हमने सीडीटीए का सुचारु क्रियाव्यवहन जारी रखने के लिए एक योजना पर भी सहमति जताई। इसमें समझौते के तहत समितियों और कार्यसमूहों का गठन करना तथा इसके प्रत्येक हिस्से के लिए दोनों सरकारों के बीच संपर्क अधिकारियों की पुष्टि करना शामिल है।”

इसके अलावा, दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने और सेवाओं, नवाचार, सरकारी खरीद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा लैंगिक समानता के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। इसके तहत कारोबारियों के बीच अधिक संवाद और क्षेत्रीय साझेदारी को मजबूत करने पर भी जोर दिया जाएगा। जेडीटीसीओ की 17वीं बैठक 2027 में ब्रिटेन में होगी।

एचसीएल टेक का दूसरी तिमाही का मुनाफा 21 प्रतिशत बढ़कर 5,132 करोड़ रुपये पर..

नई दिल्ली, (भाषा)।
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21.18 प्रतिशत बढ़कर 5,132 करोड़ रुपये रहा है। नोएडा मुख्यालय वाली कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 4,235 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 11.5 प्रतिशत बढ़कर 35,620 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 31,942 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत और परिचालन आय तीन प्रतिशत बढ़ी। कंपनी की आईटी और व्यावसायिक सेवाओं से आय एक साल पहले के 23,693 करोड़ रुपये

से बढ़कर 26,938 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) सेवाओं से आय 5,423 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,973 करोड़ रुपये रही। हालांकि, एचसीएल सॉफ्टवेयर से आय एक साल पहले के 2,826 करोड़ रुपये से घटकर 2,709 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सी विजयकुमार ने कहा कि राजस्व वृद्धि का यह अनुमान मजबूत ऑर्डर बुकिंग, नए सौदों की अच्छी संभावनाओं और एआई आधारित सेवाओं में तेजी पर आधारित है। विजयकुमार ने कहा, “हमने 3.3 अरब अमेरिकी डॉलर के नए सौदों की बुकिंग के साथ मजबूत तिमाही दर्ज की, जो सालाना आधार पर 27 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही पहली छमाही में सौदों की बुकिंग अब

तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई।” विजयकुमार ने कहा कि स्थिर मुद्रा के आधार पर उन्नत एआई कारोबार से राजस्व पिछली तिमाही की तुलना में 28.4 प्रतिशत और सालाना आधार पर 78 प्रतिशत बढ़ा। उन्होंने कहा कि कंपनी की एआई सेवाओं को ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे वृद्धि की संभावनाओं को लेकर उसका भरोसा बढ़ा है। हालांकि, उन्होंने बताया कि कंपनी ने राजस्व वृद्धि के अनुमान को बढ़ाने में सतर्कता बरती है। कंपनी का कर पूर्व आय (ईबीआईटी) मार्जिन बढ़कर 18.2 प्रतिशत हो गया, जो इससे पिछली तिमाही में 16.9 प्रतिशत था। विजयकुमार ने इसका श्रेय उन्नत एआई सेवाओं से अधिक मार्जिन वाले राजस्व और एआईफ़ेस मंच सहित कंपनी के अपने कामकाज में एआई के इस्तेमाल से मिली दक्षता को दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मलारा, जनपद पंचायत मंडला, जिला मंडला (मध्यप्रदेश)

॥ निविदा सूचना ॥

ग्राम पंचायत मलारा अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु रेत, मिट्टी एवं सीमेंट निर्माण सामग्री की आपूर्ति के लिए इष्टक एवं पात्र पत्रों/आपूर्तिकर्ताओं से निर्धारित शर्तों के अधीन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निर्माण कार्य का विवरण: पुलिया निर्माण कार्य - ग्राम कोटा, नाली निर्माण कार्य - ग्राम मलारा, सीडी निर्माण कार्य - ग्राम कोटा, रंगमंच निर्माण कार्य - ग्राम कोटा।

आपूर्ति की जाने वाली सामग्री: रेत, मिट्टी एवं सीमेंट।

निविदा संबंधी विवरण:

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 17-10-2026

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का स्थान: ग्राम पंचायत कार्यालय मलारा।

अन्य नियम एवं शर्तें: निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम पंचायत को किसी भी निविदा को स्वीकार या निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

दिनांक: 13/10/2026

सरपंच
ग्राम पंचायत मलारा

सचिव
ग्राम पंचायत मलारा



विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

9 मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

लांजी किरनापुर हट्टा

● भानेगांव ● मोहड़री ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साइरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

किसानों की समस्याओं को लेकर होगा जोरदार हल्ला बोल, प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी करेंगे संबोधित..

जगप्रेरणा किरनापुर।
किसान गर्जना संगठन द्वारा
किसानों की विभिन्न ज्वलंत
समस्याओं को लेकर दिनांक 13
अक्टूबर 2026, मंगलवार को
किरनापुर ब्लॉक में विशाल किसान
रैली एवं सभा का आयोजन किया
जा रहा है।

कार्यक्रम में किसान गर्जना संगठन के प्रदेश
अध्यक्ष अरविंद चौधरी विशेष रूप से उपस्थित
होकर किसान भाइयों को संबोधित करेंगे। किसान
गर्जना संगठन ने किरनापुर ब्लॉक के समस्त
किसान भाइयों से अधिक से अधिक संख्या में
कार्यक्रम में शामिल होकर किसान एकता की
ताकत दिखाने की अपील की है। **कार्यक्रम
स्थल-13 अक्टूबर 2026, मंगलवार दोपहर
12:00 बजे पवार मंगल भवन, किरनापुर।**
**रैली मार्ग: पवार मंगल भवन से
हिर्री बाजार तक..**

रैली के पश्चात हिर्री बाजार में विशाल किसान
सभा आयोजित की जाएगी, जिसमें किसानों की
प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए शासन-प्रशासन
का ध्यान आकर्षित किया जाएगा तथा विभिन्न मांगों
को लेकर संबंधित राजस्व अधिकारियों को ज्ञापन

सौंपा जाएगा। **किसानों की प्रमुख मांगें-** धान खरीदी 3100रु प्रति क्विंटल की दर से प्रारंभ की जाए। मोदी की गारंटी के नाम पर किसानों से किए गए वादे को पूरा किया जाए तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाए। कीट-मऊ (माहू) एवं अन्य कीटों से बर्बाद हुई फसलों का सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को नियमानुसार तत्काल मुआवजा दिया जाए। बिजली विभाग की समस्याओं का निराकरण किया जाए तथा किसानों को खेती के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जाए। वन विभाग से जुड़ी किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाए। जंगली सूअर, बंदर एवं अन्य जंगली जानवरों द्वारा फसलों को पहुंचाए जा रहे नुकसान का खेत-खेत सर्वे

कराया जाए तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। क्षेत्र में गौ-तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए संबंधित विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की जाए। किसानों की अन्य स्थानीय समस्याओं का निराकरण कर उन्हें राहत प्रदान की जाए। किसान गर्जना संगठन का कहना है कि किसान आज कीट प्रकोप, जंगली जानवरों से फसल नुकसान, बिजली की समस्या और खेती की बढ़ती लागत से परेशान हैं। ऐसे में शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है कि किसानों की समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर तत्काल उचित कार्रवाई करें। संगठन ने स्पष्ट किया कि किसानों को उनका हक और वाजिब मूल्य दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा। 3100 रु प्रति क्विंटल धान खरीदी के वादे को पूरा कराने और किसानों की आवाज शासन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

बोले किसान गर्जना संगठन अरविंद चौधरी..

किसान गर्जना संगठन की समस्त किसान भाइयों से अपील है कि दोपहर 12 बजे पवार मंगल भवन, किरनापुर पहुंचकर रैली एवं सभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और किसान एकता को मजबूत बनाएं। किसानों के हक की लड़ाई-अब आर-पार की लड़ाई।

ग्राम पंचायत घोट्टी में सैनिक परिवारों का हुआ भाव पूर्वक सम्मान राष्ट्र सेवा में इनका अमूल्य योगदान..

जगप्रेरणा लांजी।
ग्राम पंचायत घोट्टी में
भूतपूर्व सैनिकों एवं
सैनिक परिवारों के
सम्मान में 12 अक्टूबर
को एक कार्यक्रम
आयोजित किया गया।

इस अवसर पर पंचायत
प्रतिनिधियों द्वारा भूतपूर्व सैनिकों,
सेवारत सैनिकों एवं उनके
परिवारजनों को शाल एवं श्रीफल
भेंटकर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम के माध्यम से देश की
सीमाओं की सुरक्षा में सैनिकों के
योगदान, त्याग, समर्पण और राष्ट्रसेवा के प्रति
कृतज्ञता व्यक्त की गई। देश की रक्षा में सैनिकों की
भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।
सैनिक कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों
का निर्वहन करते हुए देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते
हैं। वहीं, उनके परिवार भी सैनिकों के साथ त्याग

जितेन्द्र/ रामप्रसाद मानकर, अभिलेष/ रामप्रसाद मानकर, विनोद/ नोरबा हनोते, संतोष/ छत्रलाल परते, रूपचंद/ बुधराम पन्दे, विवेक/ ज्ञानेश्वर वाकडे एवं संजय/ रोशेलाल कावरे उपस्थित रहे। इस अवसर पर सैनिकों के परिवारजन भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत घोट्टी के सरपंच श्रीचंद कामडे, सचिव रवि वासनिक, सहायक सचिव ललित बाघ, भूतय पैकुम मानकर एवं मेट धनीराम चैके उपस्थित रहे। पंचायत प्रतिनिधियों ने सैनिकों एवं उनके परिवारों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम ने समाज में सैनिकों एवं उनके परिवारों के प्रति आदर, सम्मान और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

लांजी क्षेत्र में ज्योति कलशों से जगमगाए देवी मंदिर

जगप्रेरणा लांजी।
एक ज्योति,
अनेक भावनाएं।
किसी के लिए यह
परिवार की
खुशहाली की
प्रार्थना है, किसी के
लिए पीढ़ियों से
चली आ रही

परंपरा, तो किसी के लिए जीवन में नई उम्मीद
का प्रतीक। नवरात्र के नौ दिनों तक मंदिरों में
प्रज्वलित ज्योति कलशों की लौ केवल अंधकार
को दूर करने वाला प्रकाश नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं
के विश्वास, मनोकामनाओं और मां भगवती के
प्रति समर्पण की अभिव्यक्ति है। अष्टमी या नवमी
को जब इन ज्योतियों का विधि-विधान से समापन
होता है, तब एक धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होता है,
लेकिन श्रद्धालुओं के मन में आस्था की लौ आगे
भी जलती रहती है। शारदेय नवरात्र के शुभारंभ के
साथ ही धर्मनगरी लांजी और आसपास के क्षेत्रों के
देवी मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलशों की
स्थापना की गई है। मंदिरों में सैकड़ों-हजारों की
संख्या में प्रज्वलित ज्योतियां नवरात्र की
आध्यात्मिक छटा को विशेष बना रही हैं। प्रत्येक
ज्योति के पीछे किसी श्रद्धालु की अपनी आस्था,
कोई पारिवारिक कामना या वर्षों से निभाई जा रही
धार्मिक परंपरा जुड़ी हुई है। यही वजह है कि नवरात्र
में ज्योति कलशों की स्थापना महज एक धार्मिक
क्रिया नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं से जुड़ा
विशेष अवसर बन जाती है।

लांजी के मंदिरों में आस्था का
उजियारा, वारी में 2251 कलश
प्रज्वलित..

नवरात्र के प्रथम दिन नगर के प्रमुख देवी
मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मनोकामना ज्योति कलश

स्थापित कर नौ दिनों की आराधना का संकल्प लिया। नगर के प्रसिद्ध मां लंजकाई मंदिर में 738 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। मां शीतला माता मंदिर में 85, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर मरार मोहल्ला में 35, श्रीराम चरण सेवा समिति पुराना राम मंदिर में 11, गायत्री मंदिर में 88, दुर्गा मंदिर निमटोला में 68 तथा शीतला माता मंदिर निमटोला में 27 ज्योति कलश स्थापित किए गए। इसी क्रम में दुर्गा मंदिर भुरसाडोंगरी में 342, मां पांढरी पाट देवी मंदिर वारी में सर्वाधिक 2251, भाडरासुर दुर्गा मंदिर में 40, दुर्गा मंदिर बिसोनी में 98, साईं दरबार टेडवा में 51 तथा काली माता मंदिर में दो मनोकामना ज्योतियां प्रज्वलित की गईं। इन मंदिरों में जलती ज्योतियां नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक उत्साह का प्रतीक बनी हुई हैं।

कलश में शुभता, ज्योति में समर्पण का भाव..

धार्मिक मान्यताओं में कलश को शुभता, समृद्धि और मंगल का प्रतीक माना जाता है, जबकि ज्योति ज्ञान, प्रकाश और सकारात्मकता का प्रतिनिधित्व करती है। नवरात्र में देवी के समक्ष ज्योति प्रज्वलित कर श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं मां के चरणों में अर्पित करते हैं। कोई परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करता है, तो कोई संतान की खुशहाली, रोजगार, व्यवसाय में उन्नति और घर में सुख-शांति के लिए प्रार्थना करता है। कई

आए नवरात्रे माता के: ज्योति कलशों और माता रानी की प्रतिमा स्थापना के साथ हो रही आराधना

पांढरी पाट वारी में 2251, माँ
लंजकाई दरबार में 738 ज्योति
कलश..

जगप्रेरणा लांजी।
**‘प्रेम से बोलो जय माता दी.. दुर्गे
मैय्या की जय’ के जयघोष, शंख-
घंटियों की गूंज और माता रानी के
भजनो के बीच धर्मनगरी लांजी में
शारदेय नवरात्र पर्व का शुभारंभ हो
गया।**

रविवार, 11 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त में घरों
और देवी मंदिरों में घंट स्थापना की गई, वहीं नगर
एवं क्षेत्र के सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में मां
आदिशक्ति की प्रतिमाएं विधि-विधान के साथ
विराजित की गईं। मंदिरों में मनोकामना ज्योति
कलश प्रज्वलित होने के साथ ही नौ दिवसीय
आराधना का क्रम शुरू हो गया है। सुबह से ही
श्रद्धालुओं की आवाजाही और शाम होते ही पंडालों
में उमड़ती भक्तों की भीड़ से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो
उठा।

मां लंजकाई मंदिर में 738 ज्योति
कलशों की स्थापना..

शारदेय नवरात्र के प्रथम दिन नगर के प्रमुख
देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने आस्था के दीप
प्रज्वलित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली
और मंगलकामना के लिए पूजा-अर्चना की। नगर
के प्रसिद्ध मां लंजकाई मंदिर में नवरात्र पर्व के
अवसर पर 738 मनोकामना ज्योति कलशों की

स्थापना की गई। इसी तरह मां शीतला माता मंदिर
में 85, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर मरार मोहल्ला में 35,
श्रीराम चरण सेवा समिति पुराना राम मंदिर में
11, गायत्री मंदिर में 88, दुर्गा मंदिर निमटोला में
68 तथा शीतला माता मंदिर निमटोला में 27
ज्योति कलश स्थापित किए गए। इसके अलावा
दुर्गा मंदिर भुरसाडोंगरी में 342, मां पांढरी पाट
देवी मंदिर वारी में 2251, भाडरासुर दुर्गा मंदिर
में 40, दुर्गा मंदिर बिसोनी में 98 तथा काली
माता मंदिर में दो मनोकामना ज्योति कलश
प्रज्वलित किए गए। मंदिरों में ज्योति कलशों की
स्थापना के साथ ही श्रद्धालुओं ने मां भगवती के
दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-
शांति एवं समृद्धि की कामना की।

विधि-विधान से विराजित हुई मां
दुर्गा की प्रतिमाएं..

नवरात्र के प्रथम दिन सार्वजनिक दुर्गा उत्सव
समितियों की ओर से आकर्षक पंडालों को रंग-
बिरंगी रोशनी और मनमोहक सजावट से सजाया
गया। शाम के समय पुरोहितों द्वारा वैदिक
मंत्रोच्चार के बीच शुभ मुहूर्त में मां जगदम्बे की
प्रतिमाओं की स्थापना कराई गई। इसके बाद शंख
और घंटियों की ध्वनि के बीच आरती-पूजन
किया गया। मां दुर्गा के जयकारों से पंडालों का
वातावरण गुंजायमान हो उठा। वहीं घरों और देवी
मंदिरों में भी घंट स्थापना का सिलसिला सुबह से
शुरू होकर देर रात तक चलता रहा।नवरात्र के
प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर
श्रद्धालुओं ने नौ दिनों तक चलने वाली देवी
आराधना का संकल्प लिया। विभिन्न मंदिरों में
कलश स्थापना के साथ जवारे बोए गए और

सोनपुरी हनुमान मंदिर में श्रद्धा भाव से हुई मां दुर्गा की स्थापना, पुष्प वर्षा और रंगोली से हुआ मां का भक्त्य आगमन..

जगप्रेरणा किरनापुर।
सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति, सोनपुरी
हनुमान मंदिर के प्रांगण में इस वर्ष भी शारदीय
नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमा
की स्थापना बड़े ही श्रद्धा, उल्लास और विधि-
विधान के साथ की गई।
माता रानी के आगमन को लेकर भक्तों में
अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। आगमन के

दौरान मां को भव्य रंगोली से सजाया गया और
श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर मां का स्वागत किया
गया। बच्चों और महिलाओं ने गरबा नृत्य करते
हुए मां का स्वागत किया । तो वहीं ‘जय माता दी’
के जयकारों से पूरा सोनपुरी क्षेत्र गुंजायमान हो
उठा।
मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि पावन
मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता की प्रतिमा

को स्थापित किया गया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम
श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने विधि-विधान से
पूजा-अर्चना कर मां से सुख, शांति और समृद्धि
की कामना की। समिति द्वारा आने वाले दिनों में
महाआरती, भजन संध्या और भंडारे जैसे विभिन्न
धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन
किया जाएगा, जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर
हैं।

चाय पान की दुकान में लगी आग, हजारों का सामान खाक..

जगप्रेरणा भानेगांव।
लांजी थाना अंतर्गत
ग्राम भानेगांव में 12
अक्टूबर की देर रात
महाराष्ट्र बैंक के पास
संचालित एक चाय-पान
की दुकान में अचानक
रुपये का सामान जलकर
खाक हो गया। घटना रात
करीब तीन से साढ़े तीन बजे की
बताई जा रही है। आग लगने की
जानकारी मिलते ही स्थानीय
निवासी मौके पर पहुंचे और घरों में लगी पानी की
मोटरों की मदद से पानी की व्यवस्था कर आग पर
काबू पाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों की
मदद से आग को बुझाया गया। घटना में दुकान
संचालक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्राप्त
जानकारी के अनुसार, ग्राम भानेगांव में महाराष्ट्र
बैंक के समीप पिछले दो दशक से अधिक समय
से एक चाय-पान की दुकान संचालित की जा रही
है। 12 अक्टूबर की देर रात अचानक दुकान में

से रोकने और बुझाने के लिए लोगों
ने अपने घरों में लगी पानी की
मोटरों के माध्यम से पानी की
व्यवस्था की। स्थानीय निवासियों
ने मिलकर आग पर काबू पाया। देर
रात हुई इस घटना के दौरान लोगों
की तत्परता से आग बुझाने में मदद
मिली। आग लगने से दुकान में
रखा सामान जल गया, जिससे
दुकान संचालक को आर्थिक क्षति
हुई है।
घटना के संबंध में दुकान
संचालक द्वारा लांजी थाने में
सूचना देने जाने की बात कही जा
रही है। वहीं, इस संबंध में लांजी थाना प्रभारी
घनश्याम बैरागी ने बताया कि भानेगांव में एक
चाय-पान की दुकान में आगजनी की घटना के
संबंध में आवेदन प्राप्त हुआ है। हालांकि आग
लगने के वास्तविक कारणों का अब तक पता नहीं
चल पाया है। वहीं ग्रामीणों को आशंका है कि
बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण दुकान में आग
लगी होगी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं
हुई है।

+ CMV K

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

10 मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

लालबर्वा, बैहर, परसवाड़ा

● कनकी ● खमरिया ● जाम ● कंजई ● उकवा ● मलाजखंड ● बिरसा ● लामटा ● चांगोटोला

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

65 वें मॉयल सार्वजनिक दुर्गा उत्सव फुटबॉल टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले, चारों टीमों बराबरी पर..

आज आसाम, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की टीमों के बीच होगा जोरदार मुकाबला..

संजना मोनु बर्व, जगप्रेरणा उकवा।



मॉयल लिमिटेड सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 65 वां मॉयल सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से मॉयल ग्राउंड उकवा खान में कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए एवं विजेता ट्रॉफी इसी तरह द्वितीय पुरस्कार पचपन हजार पांच सौ पचपन रु एवं रनर ट्रॉफी विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रदान की जाएगी टूर्नामेंट का शुभारंभ संरक्षक श्री उमाकान्त भुजाडे अधिकर्ता एवं महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि श्री निषाद निकोंसे खान प्रबंधक उकवा विशिष्ट अतिथि श्री जयंत प्रधान विवेक महाकालकर रूपेश कुमार इंस्पेक्टर सीआरपीएफ रुपझर जेम्स बारिक सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष के द्वारा किया गया टूर्नामेंट के दूसरे दिन का पहला मैच आर टी बाँयज हैदराबाद एवं तमिलनाडु पुलिस चेन्नई के मध्य खेला गया जिसमें दोनों ही टिमें अपने निर्धारित समय तक 0-0 की बराबरी पर रहकर

एक-एक अंक प्राप्त किया। इसी तरह टूर्नामेंट का दूसरा मैच मॉयल इलेवन बालाघाट एवं बिल्ड अप स्पोर्ट्स फंडेशन पत्रा के मध्य खेला गया जिसमें दोनों ही टीमों में एक-एक गोल दाग कर एक-एक अंक प्राप्त किया।

टूर्नामेंट के विशेष अतिथि श्री विशाल सालुंखे संदीप मरकाम ओमेंद्र बिसेन टेक्निकल कमेटी से अजय बडोले बी कोटेश्वर राव आकाश मोडे टूर्नामेंट के सह सचिव विनय टांडी प्रीतम यादव राजेश खोबरागढ़ टीपी सहनी धर्मेन्द्र मेथ्राम सूरज

यादव महिला व्यवस्था समिति श्रीमती सुनीता तिकी सरस्वती ब्रम्हे रेखा बाघ कुमारी योगेश्वरी यादव चिकित्सा समिति डॉक्टर विजय नरवाडे डॉक्टर श्रीमती जय श्री नरवाडे हेमंत बाग व्यवस्था समिति से अंकित निनावे रविंद्र डहरवाल प्रवीण नायर कृष्ण कटौते रविदास टांडिया दिलीप नागोसे शिवप्रसाद चौधरी मुकेश मरकाम दर्शन दीप मरकाम मनोज साठे जोसेफ नाग अशोक साहू राजकुमार नेताम कोमल पंद्रे रूपेश हिरवानी दीपक कुमारे दिनेश सिंह राजा करिया गुरु रोशन भालेंद्र ओमप्रकाश डोमने गोपेश हिरवानी एवं टेकचंद मदनकर आज खेले जाने वाला पहला मैच रगिया टाउन क्लब रगिया आसाम एवं मॉयल बाँयज उकवा के मध्य खेला जाएगा

इसी तरह आज का दूसरा मैच आर के एम नारायणपुर छत्तीसगढ़ एवं नेशनल फुटबॉल क्लब महु इंदौर के मध्य खेला जाएगा आज रात्रि में आर्केस्ट्र सबलपुरी उड़ीया कार्यक्रम साजन सोना की रागरंग प्रस्तुति दी गई। आज दी जाएगी स्थानीय स्कूली बच्चों के द्वारा डांस कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति। अंजल रिम्प ठाकुर मैच कमिश्नर इन मैचो के मुख्य निर्णायक गोविंद परमार इंदौर कर्णिल पंद्रे उकवा शाहरुख खान टीकमगढ़ विकास वडकडे अंबुज गुप्ता अनुपपुर रोहित यादव तरुण चक्रवर्ती ने निर्णायक की मुख्य भूमिका निभाई।

राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में परसवाड़ा के अंकुश और अमित का चयन

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर बनाई जगह, विद्यालय परिवार ने दी बधाई



जगप्रेरणा परसवाड़ा।

मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग की विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर परसवाड़ा के दो विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर जगह बनाई है। रानी दुर्गावती शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसवाड़ा के कक्षा 12वीं के छात्र अंकुश मर्सकोले और अमित वरकडे का चयन राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

दोनों खिलाड़ियों के चयन से क्षेत्र और विद्यालय में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के खेल शिक्षक डीके मेथ्राम ने बताया कि बीते दिनों परसवाड़ा में आयोजित जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ था। इसके बाद 11 अक्टूबर को छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा में आयोजित संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर अंकुश मर्सकोले और अमित वरकडे ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित किया।

विद्यालय परिवार ने दी शुभकामनाएं

विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी जयंत खांडवे, विद्यालय की प्राचार्य सुनीता पंद्रे, खेल शिक्षक डीके मेथ्राम, खेल समन्वयक खेमलाल वरकडे, एचएल पंद्रे, टी. मेथ्राम, सीएस रहगडाले, वायके रहगडाले, राजेश नंदन चंदेले, वेद प्रकाश पट्टे और विनय मंडले सहित समस्त विद्यालय परिवार ने बधाई दी।

सभी ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मॉयल दुर्गा मंदिर परिसर में दुकानदारों को दिया स्वच्छता ही सेवा का संदेश..

स्वच्छता अभियान चलाकर दुकानों से सहयोग की अपील..

जगप्रेरणा भरवेली (बालाघाट)।

जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आनेवाले मिनीरत्न सरकारी उपक्रम मॉयल लिमिटेड भारवेली का सार्वजनिक दुर्गा उत्सव पूरे जिले में अपनी अलग पहचान रखता है। नवरात्रि पर्व के दौरान यहां 10 दिनों तक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु मातापूजा का दर्शन करने, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने और परिवार के साथ मेले का भ्रमण करने पहुंचते हैं। मेले में बड़ी संख्या में अस्थायी दुकानें, लगने के कारण मंदिर एवं मेला परिसर में स्वच्छता बनाये रखना एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नवरात्रि के दूसरे दिन सोमवार 12 अक्टूबर को सुबह 07:30 बजे सार्वजनिक दुर्गात्सव समिति द्वारा मंदिर एवं मेला परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों से दुकानदारों से संपर्क कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और स्वच्छता ही सेवा का संदेश दिया। समिति सदस्यों ने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों के आसपास किसी भी प्रकार की गंदगी जमा न होने दें। दुकान से निकलने वाले कचरे को इधर उधर फेंकने के बजाय निर्धारित स्थान पर ही डालें, ताकि मेला परिसर साफसुफा और व्यवस्थित बना रहे। समिति ने कहा कि नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है, ऐसे में स्वच्छ वातावरण बनाये रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल आयोजन समिति की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि प्रत्येक दुकान, श्रद्धालु एवं नागरिकों का कर्तव्य है। यदि सभी लोग अपने आसपास स्वच्छता बनाये रखने में सहयोग करें तो पूरे मेले परिसर को साफव आकर्षक रखा जा सकता है। समिति ने दुकानदारों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाये और श्रद्धालुओं को भी कचरा निर्धारित स्थान में डालने के लिये प्रेरित करें। इस अवसर पर सार्वजनिक दुर्गात्सव समिति के अध्यक्ष विवेक कुमार, सचिव नरेश सोमवंशी, कार्यक्रम सचिव मंगेश डहाके सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। सभी ने दुकानदारों से नवरात्रि के पूरे आयोजन के दौरान स्वच्छता व्यवस्था बनाये रखने में पूर्ण सहयोग का आह्वान किया।

मां गायत्री शक्तिपीठ में 88 ज्योति कलश स्थापित, नवरात्र के धार्मिक अनुष्ठान शुरू..

जगप्रेरणा लांजी।
शारदेय नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर धर्मनगरी लांजी स्थित मां गायत्री शक्तिपीठ में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ 88 ज्योति कलशों की स्थापना की गई। प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार 11 अक्टूबर को प्रातःकाल साधना



19 अक्टूबर को होगा गायत्री महायज्ञ एवं कन्याभोज

एवं अनुष्ठान का संकल्प लेने के पश्चात सुबह 11 बजे विधि-विधान के साथ ज्योति कलश स्थापित किए गए। ज्योति कलश स्थापना के साथ ही शक्तिपीठ में नवरात्र के विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। इस दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालुओं ने मां गायत्री की आराधना कर सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

नवरात्र पर्व के दौरान मां गायत्री शक्तिपीठ में प्रतिदिन विभिन्न आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 8 बजे तक ध्यान एवं गायत्री यज्ञ होगा। वहीं दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक सामूहिक जप और चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को साधना, उपासना और आध्यात्मिक चिंतन से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ जिला बालाघाट ने संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग जबलपुर को सौपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा लालबर्वा।
लालबर्वा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम, लालबर्वा के प्राचार्य एवं जिला सचिव आजाद शिक्षक संघ श्री एमंत ठाकरे ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यापक शिक्षकों की 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नति



एवं 12 वर्षीय प्रथम क्रमोन्नति की प्रक्रिया में विसंगति को दूर करने आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्य प्रदेश के प्रांताध्यक्ष भरत पटेल जी द्वारा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग जबलपुर को ज्ञापन सौपा गया। जिला अध्यक्ष आशीष बिसेन द्वारा बताया गया कि कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर द्वारा बालाघाट जिले के माध्यमिक शिक्षक से उच्च माध्यमिक शिक्षक बने 116 उच्च माध्यमिक शिक्षकों की द्वितीय क्रमोन्नति 2022 से पेंडिंग है, इस संबंध में जे डी महोदय द्वारा 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नति हेतु पात्र शिक्षकों को अपात्र घोषित कर सूची जारी कर दी गई जो कि न्याय संगत नहीं है।

अपात्र करने का कारण लोकसेवकों को अध्यापक संवर्ग में एक पदोन्नति एवं एक क्रमोन्नति का लाभ प्राप्त होना बताया गया है जो कि पूर्णतः असत्य है। आज

नवरात्र के अंतर्गत 15 अक्टूबर को पंचमी और 18 अक्टूबर को अष्टमी के अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान होंगे। इसके पश्चात 19 अक्टूबर को नवमी के पावन अवसर पर सुबह 9 बजे से गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ की पूर्णाहुति के बाद कन्याभोज कराया जाएगा। इसके साथ ही स्थापित ज्योति कलशों का विसर्जन किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। मां गायत्री शक्तिपीठ ट्रस्ट लांजी एवं गायत्री परिवार द्वारा नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाले सभी धार्मिक कार्यक्रमों में नगरवासियों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की गई है।

1998 से 2001 तक नियुक्त अध्यापक शिक्षक संवर्ग जिनकी पदोन्नति नहीं हुई उनका पदनाम माध्यमिक शिक्षक है उन्हें 42200/- का ग्रेड पे मिल रहा है एवं पदोन्नति प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षकों को 36000/- का ही ग्रेड पे मिल रहा है। ऐसी स्थिति में यह कहाँ सिद्ध होता है कि उन्हें एक पदोन्नति एवं एक क्रमोन्नति का लाभ प्राप्त हो चुका है। इसी प्रकार जे डी कार्यालय से जारी दूसरे पत्र में माध्यमिक शिक्षक संवर्ग के बालाघाट जिले के 76 लोकसेवकों (माध्यमिक शिक्षकों) को भी प्रथम क्रमोन्नति हेतु अपात्र घोषित कर दिया गया है।

अपात्र घोषित करने का कारण गोपनीय चरित्रावली में त्रुटि बताया गया है। जबकि किसी भी लोकसेवक की गोपनीय चरित्रावली गलत नहीं है। श्री आशीष बिसेन ने आगे बताया कि मध्य प्रदेश के समस्त संभागों में द्वितीय क्रमोन्नति के आदेश हो चुके हैं किन्तु जबलपुर संभाग में द्वितीय क्रमोन्नति के आदेश आज दिनांक तक जारी नहीं हुए हैं। ज्ञापन के माध्यम से संयुक्त संचालक महोदय से आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने मांग की है कि अपात्र किये गये प्रकरण का सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुये पुनः परीक्षण कर सेवा पुस्तिका से मिलान कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निवेदन किया गया है। एवं दशहरा तक आदेश ना होने पर दशहरा पश्चात आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा धरना देने की चेतावनी भी दी गई है।

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

ग्रामीण

गोंदिया भंडारा

11 मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

तिरोड़ा • गोरेगांव • आमगांव • सालेकसा • देवरी • मोरगांव अर्जुनी • तुमसर • साकोली • लाखोंदूर

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

आमगांव-गोंदिया मुख्य मार्ग की स्ट्रीट लाइटें 3 महीने से बंद, हादसों का खतरा बढ़ा..

विकास शर्मा, पप्पू महाराज और राजा गुप्ता ने नगर परिषद से की तत्काल मरम्मत की मांग..

जगप्रेरणा आमगांव। आमगांव-गोंदिया मुख्य मार्ग पर पिछले लगभग तीन महीनों से स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी होने के कारण रात के समय अंधेरा छाया रहता है। इससे आम नागरिकों, वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बैठे जानवर भी अंधेरे के कारण दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

इस गंभीर जनसमस्या को लेकर विकास शर्मा, पप्पू महाराज और राजा गुप्ता ने नगर परिषद प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल शुरू करने की मांग की है। बताया गया कि जुलाई महीने में इस मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें चालू थीं, लेकिन पिछले तीन महीनों से अधिकांश लाइटें बंद होने के कारण मार्ग



पर अंधेरा बना हुआ है। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और रात में यात्रा करने वाले नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। लोहरीयों का मौसम शुरू होने के चलते इस मार्ग पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करना और भी जरूरी हो गया है।

नगर परिषद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल..

मुख्य मार्ग पर लंबे समय से लाइटें बंद रहने से नगर परिषद प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर इतने महत्वपूर्ण मार्ग की स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत अब तक क्यों नहीं की

गई? क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन जागेगा? नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है।

दो दिन में समस्या हल करने की मांग..

आमगांव-गोंदिया रोड मुख्य मार्ग की बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों की तत्काल जांच कराकर उनकी मरम्मत की जाए। उन्होंने स्पष्ट मांग रखी कि दो दिनों के भीतर स्ट्रीट लाइटों की समस्या का समाधान किया जाए। यदि निर्धारित समय में समस्या का निराकरण नहीं किया गया, तो जनहित में आंदोलन करने की चेतावनी दी जाएगी।

अब देखना यह है कि नगर परिषद प्रशासन नागरिकों की इस गंभीर समस्या को कितनी तत्परता से हल करता है और मुख्य मार्ग को रोशनी से जगमाने के लिए कब तक ठोस कदम उठाता है। जिसमें पप्पू महाराज शर्मा, राजा गुप्ता, वैभव पारधी।

देवरी के माँ धुकेश्वरी मंदिर में 1229 अखंड ज्योत प्रज्वलित, शारदीय नवरात्रोत्सव की उत्साह के साथ शुरुआत..

9 दिनों तक लगेगा भक्तों का मेला : देवरी तालुक के भक्तों की आस्था का केंद्र और आराध्य देव..

जगप्रेरणा देवरी। देवरी तालुक और सीमावर्ती क्षेत्रों के लाखों भक्तों की आस्था के केंद्र और आराध्य देव माँ धुकेश्वरी मंदिर में 12 तारीख से शारदीय नवरात्रोत्सव की बेहद भक्तिमय वातावरण और बड़े उत्साह के साथ शुरुआत हो गई है। इस वर्ष मंदिर में कुल 1,229 अखंड ज्योत (मनोकामना कलश) प्रज्वलित की गई हैं, जिससे पूरा मंदिर परिसर 'माँ धुकेश्वरी' के जयघोष से गुंज उठा है।

नवरात्र के पहले दिन घटस्थापना के शुभ मुहूर्त पर सुबह शास्त्रोक्त विधि से पूजा-अर्चना, महाअभिषेक और आरती की गई। इसके बाद भक्तों द्वारा मंत्र पूरी होने तथा सुख-समृद्धि की कामना के लिए संकल्पित 1,229 अखंड मनोकामना ज्योतों को प्रज्वलित किया गया। मंदिर के गर्भगृह के साथ-साथ विशेष कक्ष में इन प्रज्वलित ज्योतों की सुंदर सजावट की गई है, और इस मनमोहक दृश्य को देखने के लिए पहले ही दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।



9 दिनों तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की धूम..

नवरात्रोत्सव के इन 9 दिनों के दौरान मंदिर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। रोजाना सुबह और शाम महाआरती, दुर्गा सप्तशती पाठ और विशेष पूजा-अर्चना होगी।

नवरात्र के अंतिम दिन ज्योत विसर्जन के बाद भक्तों के लिए महाप्रसाद (भंडारा) की व्यवस्था की गई है। हर साल लाखों भक्त शारदीय नवरात्र में माँ धुकेश्वरी के दर्शन करने आते हैं। भक्तों को सुलभ दर्शन मिल सकें, इसके लिए मंदिर प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था, पीने के पानी का प्रबंध और दर्शन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

नवरात्रोत्सव के दौरान होने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए देवरी पुलिस थाने की ओर से मंदिर परिसर में पुख्ता पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया है। इसके अलावा, यातायात जाम से बचने के लिए विशेष पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है।

माँ धुकेश्वरी देवी का यह मंदिर केवल देवरी तालुक के लिए ही नहीं, बल्कि पड़ोसी गोंदिया जिले के साथ-साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए भी एक बड़ा आस्था का केंद्र है। अगले 9 दिनों तक यहाँ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने वाली है और पूरा देवरी शहर भक्ति रस में सराबोर हो गया है।

मंदिर ट्रस्ट की ओर से सभी भक्तों से अपील की गई है कि वे दर्शन का लाभ उठाएं और इस उत्सव को शांति व अनुशासन के साथ मनाएं।

देवरी में अग्रसेन जयंती महोत्सव उत्साह के साथ संपन्न, 10 दिनों के विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य आयोजन..

जगप्रेरणा देवरी। स्थानीय अग्रवाल समाज की ओर से भगवान श्री अग्रसेन महाराज की जयंती अत्यंत उत्साह और भक्तिमय वातावरण में मनाई गई। इस 10 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिससे पूरे शहर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों ने समाज बंधुओं को एकजुट रहने की बहुमूल्य सलाह दी।

मुख्य अतिथियों की विशेष उपस्थिति..

इस भव्य महोत्सव में पंकजजी सिंघनिया (गोंदिया), प्रमोदकुमारजी अग्रवाल (राजनांदगांव) और डॉ. उषाजी बिमलेश अग्रवाल (गोंदिया) प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने मार्गदर्शन में समाज के विकास और आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए एकजुट रहने के महत्व को उपस्थित लोगों को समझाया।

महोत्सव के अवसर पर 11 अक्टूबर को शहर में विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया..

महोत्सव के मुख्य दिन की शुरुआत उत्साह के साथ ध्वजारोहण से हुई। अग्रसेन महाराज के रथ का पूजन किया गया। इसके बाद निकाली गई भव्य बाइक रैली



और शहर भ्रमण करने वाली शोभायात्रा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। ढोल-ताशों की गूंज और अग्रसेन महाराज के जयघोष से पूरी देवरी नगरी गुंज उठी। लाल रंग की साड़ी पहनकर महिलाओं तथा सफेद वस्त्र पहनकर पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने बड़ी संख्या में इस शोभायात्रा में भाग लिया।

इस महोत्सव को अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष रामअवतार अग्रवाल, उपाध्यक्ष नरेश बगड़िया, गोविंद अग्रवाल, सचिव रामप्रसाद अग्रवाल, भवन निर्माण प्रमुख रितेश अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, संजय अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, युवा समिति के प्रवीण अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, चेतन अग्रवाल, नील अग्रवाल, शिव बगड़िया, तथा महिला व युवती समिति की सीमा दीपक अग्रवाल, अंजु रितेश अग्रवाल, रुचिका प्रवीण अग्रवाल, रितु कमल अग्रवाल, कल्पना पवन अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, निधि अग्रवाल, रितिका अग्रवाल ने सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए अहोरात्र परिश्रम किया।

उनके सक्रिय सहयोग के कारण संपूर्ण समारोह अनुशासनबद्ध और यादगार रहा।

सेवा सप्ताह अभियान’ में चिल्हाटी स्कूल के विद्यार्थियों की शानदार सफलता..

चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता में हासिल की सफलता, तालुका स्तर पर स्कूल का डंका..

जगप्रेरणा देवरी। ‘सेवा सप्ताह अभियान’ के तहत हाल ही में आयोजित तालुका स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में जिला परिषद उच्च प्राथमिक स्कूल, चिल्हाटी (केंद्र ककोडी) के विद्यार्थियों ने अपनी कला प्रतिभा और भाषण कौशल का प्रदर्शन करते हुए शानदार सफलता हासिल की है। इस उल्लेखनीय प्रदर्शन से चिल्हाटी स्कूल के ताज में एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया है और शैक्षणिक हलकों से विद्यार्थियों पर बधाइयों की बौछार हो रही है।

तालुका स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसमें- चित्रकला प्रतियोगिता में हसीना पुराणदास अडभैया ने अपनी कल्पनाशीलता के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में दक्ष केवल तेलाची ने अपनी प्रभावी और भावप्रवाह वाणी से उपस्थित लोगों का मन मोहते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों की इस सफलता और उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए गटशिक्षणाधिकारी टाकसठे, गटसमन्वयक



कावले, केंद्रप्रमुख राजेश रामटेके ने विशेष प्रशंसा की। साथ ही स्कूल के उच्च श्रेणी के मुख्याध्यापक निनावे, स्कूल के शिक्षक नागभिरे, नेताम, दुबे, वसाने, चव्हाण ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं के लिए उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने वाले स्कूल के शिक्षकवृंद की हर तर्फ प्रशंसा हो रही है। इसके साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक, कलात्मक और सर्वांगीण प्रगति के लिए लगातार सहयोग करने वाले चिल्हाटी के ग्रामवासियों का भी इस अवसर पर विशेष आभार व्यक्त किया गया।

इस उज्ज्वल सफलता से स्कूल की शैक्षणिक और सांस्कृतिक यात्रा को एक नई प्रेरणा मिली है, और भविष्य में भी यहाँ के छात्र इसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में ऊँचाइयाँ हासिल करेंगे, ऐसा विश्वास ग्रामवासियों और शिक्षकों द्वारा व्यक्त किया गया है।

राशन में गेहूं की जगह मिला मक्का, गरीब जनता के साथ शासन का भद्दा मजाक..

गोंदिया जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लेकर लोगों में असंतोष, लाभार्थियों ने उठाई गेहूं उपलब्ध कराने की मांग..

जगप्रेरणा आमगांव। गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली अब जिले के कई राशन उपभोक्ताओं के बीच चर्चा का विषय बन गई है।

उपभोक्ताओं की शिकायत है कि जहां पहले राशन में गेहूं और चावल दिया जाता था, वहीं अब गेहूं की जगह मक्का वितरित किया जा रहा है। इससे उन परिवारों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है, जिनके रोजमर्रा के भोजन में मक्का शामिल नहीं है।

गेहूं की जगह मक्का, आखिर कैसे चलेगा गरीब परिवारों का काम ?

गोंदिया जिले के कई परिवारों के दैनिक भोजन में गेहूं की रोटी प्रमुख स्थान रखती है। ऐसे में राशन में गेहूं के स्थान पर मक्का मिलने से उपभोक्ता असमंजस में हैं। लोगों का कहना है कि राशन के माध्यम से मिलने वाला अनाज उनके परिवार की खाद्य जरूरतों को पूरा करने का महत्वपूर्ण साधन है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार बाजार से अपनी पसंद का अनाज खरीदने में भी सक्षम नहीं

होते। ऐसे में राशन में मिलने वाले खाद्यान्न में बदलाव उनकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है।

मक्का खाने के बजाय पशुओं को खिलाने की मजबूरी?

स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार, मक्का उनकी नियमित भोजन व्यवस्था का हिस्सा नहीं होने के कारण कुछ लोग इसे पशुओं या मुर्गियों को खिलाने में इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे दुकानदारों को बेच रहे हैं। यह स्थिति सार्वजनिक वितरण प्रणाली के उद्देश्य पर सवाल खड़े करती है।

यदि लाभार्थियों को मिलने वाला अनाज उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुरूप नहीं है, तो खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था और स्थानीय खानपान की आदतों के बीच तालमेल पर विचार करना आवश्यक है।

गरीबों की मजबूरी का फायदा तो नहीं उठाया जा रहा?

गरीब परिवारों के लिए राशन केवल सरकारी सुविधा नहीं, बल्कि भोजन की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में लाभार्थियों की पसंद, स्थानीय खानपान और जरूरतों को नजरअंदाज किए जाने से उनमें असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।

लोगों का सवाल है कि जब परिवारों को गेहूं की आवश्यकता है, तो उन्हें ऐसा अनाज क्यों दिया जा रहा है, जिसका उपयोग वे अपनी नियमित भोजन व्यवस्था में नहीं कर पा रहे हैं?

याद आने लगा पुराना दौर, जब गेहूं की जगह आया था मक्का..

अनाज वितरण में इस बदलाव ने कुछ लोगों को पुराने दौर की याद दिला दी है। चर्चा है कि कुछ दशक पहले भी गेहूं की कमी के बीच अमेरिका से आयातित मीलो वितरित किए जाने की स्थिति बनी थी। आज एक बार फिर गेहूं के स्थान पर मक्का मिलने से लोग उस दौर से इसकी तुलना कर रहे हैं।

हालांकि, वर्तमान वितरण व्यवस्था के पीछे के कारणों और पुराने घटनाक्रम के बीच समानता की पुष्टि के लिए संबंधित सरकारी आंकड़ों और अभिलेखों की जांच आवश्यक है।

शासन-प्रशासन से गेहूं उपलब्ध कराने की मांग..

राशन उपभोक्ताओं की मांग है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उनकी जरूरतों के अनुरूप गेहूं उपलब्ध कराया जाए। लोगों का कहना है कि खाद्यान्न वितरण की योजना बनाते समय स्थानीय खानपान की आदतों और गरीब परिवारों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग और जिला प्रशासन उपभोक्ताओं की शिकायतों पर क्या कदम उठाते हैं।

गरीब परिवारों को राहत देने वाली राशन व्यवस्था तभी प्रभावी मानी जाएगी, जब उसके माध्यम से मिलने वाला अनाज उनकी भोजन संबंधी जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित हो।बड़ा सवाल यह है कि क्या राशन उपभोक्ताओं को उनकी जरूरत के अनुसार गेहूं उपलब्ध कराया जाएगा, या उन्हें मक्का से ही संतोष करना पड़ेगा?

★ जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

नवरात्र उत्सव में मां शीतला माता मंदिर में रोज मां शीतला का अदभुत श्रृंगार किया जाता है मां की यह अदभुत सजीका आकर्षित कर रही है।**छाया- प्रा.गणेश मढाडे आमगांव**

दरीयां, मेटिंग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताइपत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिह्नर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

अंकुर टेस्ट टयुब बेबी एंड रिसर्च सेंटर

बंधव पीढ़ियों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ

- टेस्ट टयुब बेबी (IVF ET)
- इन्वर्टेड टेस्ट टयुब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यु.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवरन ड्रोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- एलुय बंधव निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोन की जांच
- हार्मोन की गड़बड़ी की ईलाज
- दुरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ.सो.प्रणिता चिटणवीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधव चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक

गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा

live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

श्री अग्रसेन स्मारक समिति के तत्वाधान में गोंदिया में धूमधाम से मनाई गई महाराजाधिराज 1008 श्री अग्रसेन जी महाराज की जयंती..

वरिष्ठों, मेधावी
विद्यार्थियों का किया
गया सत्कार..

**बैडबाजो और आकर्षक
झाकियों के साथ
निकली भव्य
शोभायात्रा..**

जगप्रेरणा गोंदिया।
अग्रकुल प्रवर्तक
महाराजाधिराज श्री अग्रसेन जी
महाराज की जयंती का भव्य
आयोजन श्री अग्रसेन स्मारक
समिति के तत्वाधान में श्री
अग्रसेन भवन, गोंदिया में
हर्षोल्लास एवं धूमधाम से किया
गया। महोत्सव के अंतर्गत 7
अक्टूबर से विभिन्न सामाजिक,
सांस्कृतिक, खेलकूद एवं
मनोरंजक प्रतियोगिताओं का
आयोजन किया गया जिनमें
समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक
भाग लेकर भरपूर आनंद लिया,
वहीं जयंती महोत्सव का मुख्य
समारोह रविवार, 11 अक्टूबर
2026 को आयोजित किया
गया।

इस अवसर पर श्री अग्रसेन
भवन से महाराजा अग्रसेन जी की भव्य
शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों
से होते हुए पुनः अग्रसेन भवन पहुंची। शोभायात्रा
मार्ग में समाजबंधुओं ने जगह जगह शोभायात्रा
का स्वागत किया व रथ में विराजमान महाराजा
अग्रसेनजी के तैलचित्र की पूजा अर्चना की।
आयोजित मुख्य समारोह में महाराजा अग्रसेन जी
की मूर्ति में माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर
आरती करके मुख्य समारोह का शुभारंभ किया
गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों का
सम्मान किया गया तथा मेधावी छात्र-छात्राओं



को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए
प्रावीण्यता पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।
संस्था के सचिव आशीष अग्रवाल ने
जानकारी देते हुए बताया कि जयंती महोत्सव के
मुख्य समारोह में उद्योगपति श्री सुभाष अग्रवाल
एवं आईएसएस कु. पूर्वा अग्रवाल विशेष रूप से
उपस्थित रहें। मंच में ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष श्री हेमंत
पोद्दार, कार्यकारिणी समिति अध्यक्ष श्री निलेश
अग्रवाल, महिला समिति अध्यक्ष सौ. स्वाति
गोयल, युवा समिति अध्यक्ष श्री निरंजन अग्रवाल,
युवती समिति अध्यक्ष सुश्री समीक्षा अग्रवाल भी

उपस्थित रही। मुख्य अतिथि आईएसएस कु. पूर्वा
अग्रवाल ने अपने संबोधन में गोंदिया अग्रवाल
समाज से अपने जुड़ाव के बारे में बताया व
समाज में सामाजिक उत्थान के प्रति जागरूक
करने की अपील की। समिति के समस्त
पदाधिकारियों कार्यकारिणी सदस्यों व
समाजबंधुओं ने सपरिवार मुख्य समारोह एवं
भव्य शोभायात्रा में उपस्थित होकर अपनी एकता
प्रदर्शित की। कार्यक्रम का संचालन सचिव
आशीष अग्रवाल व आभार सीए मधुर अग्रवाल
ने किया।

सावधान! गोंदिया जिले के तिरोड़ा तहसील में बोदलकसा बांध का एक हिस्सा टूटा..



जगप्रेरणा गोंदिया।
**गोंदिया जिले के तिरोड़ा
तहसील स्थित बोदलकसा
बांध का एक हिस्सा
क्षतिग्रस्त होने की घटना
सामने आई है। जिला
प्रशासन को 12 अक्टूबर
की सुबह करीब 8:05 बजे
इसकी जानकारी मिली।
प्रशासन के**

अनुसार, घटना सुबह लगभग 7
बजे हुई थी। बांध के डैम वेस्ट के पास
नहर के समीप मिट्टी का हिस्सा
खिसकने से बांध का एक भाग टूट गया है। बांध की
जल संग्रहण क्षमता 0.55 टीएमसी है। वर्तमान में बांध
का पानी नहर के माध्यम से नीचे की ओर तथा डैम वेस्ट
से बह रहा है। प्रशासन ने बताया कि स्थिति पर नियंत्रण
रखा जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला
नियंत्रण कक्ष में खोज एवं बचाव दल, राष्ट्रीय आपदा
प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा
प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें तैनात की गईं।
प्रशासन ने संभावित खतरे को देखते हुए आसपास के 14
गांवों के नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। इन
गांवों में धापड़ी, बोदलकसा, बुगाटोला, डोंगरगांव,
खडकी, खमारि, चिखली, गराडा, शिवापुर, लोधीटोला,
मलपुरी, उमरी, मरांडी और सालबडी शामिल हैं। स्थिति
पर नजर रखने के लिए प्रशासन, जल संसाधन विभाग,
पुलिस विभाग, तिरोड़ा के उपविभागीय अधिकारी एवं
तहसीलदार, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खोज एवं

**14 गांवों को सतर्क
रहने की चेतावनी
प्रशासन और
एनडीआरएफ और
एसडीआरएफ की टीमें
को किया गया तैनात..
स्थिति नियंत्रण में..
नागरिकों की सहायता
के लिए हेलपलाइन
नंबर जारी..**

जवान तैनात किए गए हैं। इसके अलावा जिला खोज
एवं बचाव दल के 11 जवानों को वाहन चालकों सहित
तैनात किया गया है। जिला प्रशासन ने नागरिकों की
सहायता के लिए निम्नलिखित हेलपलाइन नंबर जारी किए
हैं। - जिला नियंत्रण कक्ष, जिलाधिकारी कार्यालय,
गोंदिया: 1077, 07182-230196, 9404991599
(व्हाट्सएप)। इसी प्रकार जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष:
100, 07182-236100, 9130030548, 91300
30549 (व्हाट्सएप)। - तिरोड़ा तहसील कार्यालय:
87881889581 - एनडीआरएफ: 62682522991
एसडीआरएफ 9765120193, डीडीआरएफ से मो.
नं. 9834241477 पर संपर्क किया जा सकता है।
प्रशासन ने संबंधित गांवों के नागरिकों से सतर्क रहने,
बांध और पानी के तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा
किसी भी आपात स्थिति में तत्काल हेलपलाइन नंबरों पर
संपर्क करने की अपील की है।

प्रारूप मतदाता सूची पर दावे- आपत्तियां दर्ज करने की समय सीमा 26 अक्टूबर तक बढ़ी..

जगप्रेरणा गोंदिया। महाराष्ट्र में 1 अक्टूबर 2026 की अहंता तिथि
के आधार पर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 31
अगस्त 2026 को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां
दर्ज करने की समय सीमा भारत निर्वाचन आयोग ने एक बार फिर बढ़ा
दी है। अब नागरिक 26 अक्टूबर 2026 तक अपने दावे और आपत्तियां
प्रस्तुत कर सकेंगे। हालांकि, अंतिम मतदाता सूची पूर्व निर्धारित कार्यक्रम
के अनुसार 16 नवंबर 2026 को ही प्रकाशित की जाएगी। भारत
निर्वाचन आयोग के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, दावे और आपत्तियां
दर्ज करने की अवधि 31 अगस्त से 26 अक्टूबर 2026 तक रहेगी।
वहीं, नोटिस जारी करने तथा दावों और आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया
31 अगस्त से 10 नवंबर 2026 तक पूरी की जाएगी। इसके बाद 16
नवंबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। मतदाता सूची में नाम
शामिल कराने, दर्ज जानकारी में सुधार करवाने तथा आवश्यकतानुसार
आपत्तियां दर्ज करने के लिए यह समयवृद्धि महत्वपूर्ण है। मुख्य निर्वाचन
अधिकारी कार्यालय ने पात्र नागरिकों और नए मतदाताओं से अपील की
है कि वे बड़ी हुई समयसीमा का लाभ उठाएं और निर्धारित अवधि के
भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेद

मुल्तया (बावसीर), फ़िरार भंगदर व अन्य गुदारेण चिकित्सा व आयुर्वेद पंचमर्क केन्द्र

- कमर का दर्द
- घुटनों का दर्द
- पित्त का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गतीया वात एवं सायटिका

- अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचमर्क चिकित्सा कक्ष
- शास्त्रसुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त सस्मिर्त औषधियों का प्रयोग
- रोगी एवं व्यापी अनुरुप पंचमर्क सुविधा

डॉ. अर्पणा खोब्रानडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचमर्क चिकित्सक
7620340356

साकेत पब्लिक स्कूल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

**- सूचना - यदि आपको प्रतिदिन दैनिक
जगप्रेरणा समाचार पत्र नहीं मिल रहा
हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल
नंबर 9860558902 पर संपर्क करें..**

गुदमा से प्रताप बाग नई रेलवे लाईन के भूमि मालिक किसानों ने मुआवजा राशि लेने की तारीख को आगे बढ़ाने किसान जमीन बचाओ संघर्ष समिति के माध्यम से सौपा ज़ापन..

किसानों ने मुआवजा
सूची में उचित संशोधन
कर उचित मूल्य की
फिर की पुरजोर मांग..

जगप्रेरणा गोंदिया।
**गोंदिया जिले में गुदमा से
प्रताप बाग नई रेलवे लाइन
हेतु जमीन अधिग्रहण के
बहुत कम मुआवजे के
विरोध में विगत दिनों
किसान जमीन बचाओ
संघर्ष समिति गोंदिया ने चकाजाम
आंदोलन किया था, वहीं क्षेत्र के
सांसद प्रफुल पटेल, सांसद राजेन्द्र
जैन एवं विधायक विनोद अग्रवाल
को ज़ापन सौंपकर**

रेल विभाग द्वारा जिला प्रशासन के माध्यम से
करोड़ों की जमीनों का कोईियों के भाव किये
जाने वाले भूमि अधिग्रहण का विरोध किया था,
वहीं इस मामले में जनप्रतिनिधियों की ओर से भूमि
मालिक किसानों को उचित मुआवजे के लिये
आश्वासन दिये जाने के साथ ही सांसद प्रफुल
पटेल ने विभाग को इस भूमि अधिग्रहण की
कार्रवाई को रोकने एवं पुनः नए सिरे से कार्यवाही
करते हुए किसानों को उचित मूल्य दिये जाने की
बात कही थी, परंतु जानकारी के अनुसार इस संदर्भ



में अब तक कुछ नहीं हो पाया है, जबकि वहीं
मुआवजा राशि प्राप्त करने के लिये किसानों पर
दबाव बनाने की जानकारी भी सामने आई है, इस
स्थिति में किसानों की लड़ाई लड़ रहे संगठन
किसान जमीन बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान
में आवश्यक बैठक स्थानीय मथुर लॉन कटंगी
कला गोंदिया में रखी गई थी।

इस बैठक में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित
किया गया कि भू संपादन अधिकारी गोंदिया द्वारा
पूर्व निर्धारित मुआवजा राशि लेने की अंतिम तारीख
18/10/26 को आगे बढ़ाया जाए, क्योंकि भू
संपादन अधिकारी द्वारा दिए गए पत्र के आधार पर
अभी तक जिन किसान भू धारकों की जमीन प्लॉट
का बंटवारा भूमि अभिलेख कार्यालय द्वारा किया
जाना था वह अभी तक किया नहीं गया है,
इसीलिए मुआवजा राशि लेने की तारीख बढ़ाई
जानी चाहिये। इसी प्रकार भू संपादन अधिकारी

द्वारा अनेक प्रकार की त्रुटि अंतिम प्रकाशन में में
की गई है, उसको तुरंत रद्द या दुरुस्त किया जाए।
ऐसा निवेदन गोंदिया उप विभागीय अधिकारी
गोंदिया को दिया जाए।
इस बैठक में लिये गए निर्णय के अनुरूप
दिनांक 12/10/26 को उपविभागीय अधिकारी
गोंदिया से संपर्क कर उपरोक्त मांगों का लिखित
ज़ापन सौपा गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से
किसान जमीन बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष
अखिलेश सेठ, सचिव अमित बुद्धे, कार्तिक
चौहान, चुटे गुरुजी, राजेश नागरिकर, सुप्रीत बैस,
किशोर उपाध्याय, किशोर चौरसिया, अय्यूब शेख,
जितेंद्र लिलहारे, जीतू लिलहारे, सूरज बावनकर,
राधा कृष्ण ठाकुर, हेमंत नागपुरे, प्रीतलाल
चिखलोडे, मोतीराम लिलहारे, सोहन लाल नागपुरे,
आदि सैकड़ों किसान जमीन प्लॉट दुकान मकान
भू धारक उपस्थित थे।

विधान परिषद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में है नागपुर संभाग में कुल 2 लाख 55 हजार 603 स्नातक मतदाता

जगप्रेरणा गोंदिया/भंडारा।
नागपुर संभाग विधान परिषद
स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के
लिए संभाग के छह जिलों में कुल 2
लाख 55 हजार 603 मतदाता
पंजीकृत हैं। इनमें 1 लाख 47 हजार
280 पुरुष, 1 लाख 8 हजार 301

**6 जिलों में बनाए गए
445 मतदान केंद्र..
नागपुर जिले में
सर्वाधिक मतदाता**

में 58 मतदान केंद्रों पर 20 हजार
905 पुरुष और 11 हजार 357
महिला सहित कुल 32 हजार 262
मतदाता हैं। वहीं, गडचिरोली जिले
में 26 मतदान केंद्रों पर 9 हजार
310 पुरुष और 4 हजार 298
महिला सहित कुल 13 हजार 608

महिला और 22 अन्य मतदाता शामिल हैं। चुनाव
विभाग के अनुसार, मतदान के लिए कुल 445 केंद्र
बनाए गए हैं। जिलावार आंकड़ों के अनुसार, नागपुर
जिले में सर्वाधिक 1 लाख 44 हजार 466 मतदाता
हैं। इसके अलावा चंद्रपुर जिले में 32 हजार 262,
गोंदिया जिले में 22 हजार 176, वर्धा जिले में 21
हजार 742, भंडारा जिले में 21 हजार 349 और
गडचिरोली जिले में 13 हजार 608 मतदाता पंजीकृत
हैं।

**नागपुर में 246 और गोंदिया में 39
मतदान केंद्र..**

नागपुर जिले में कुल 246 मतदान केंद्र हैं। यहां
76 हजार 754 पुरुष, 67 हजार 690 महिला और
22 अन्य मतदाता हैं। भंडारा जिले में 35 मतदान केंद्रों
पर 13 हजार 247 पुरुष और 8 हजार 102 महिला
सहित कुल 21 हजार 349 मतदाता हैं। गोंदिया जिले
में 39 मतदान केंद्रों पर 13 हजार 965 पुरुष और 8
हजार 211 महिला सहित कुल 22 हजार 176
मतदाता पंजीकृत हैं। वर्धा जिले में 41 मतदान केंद्रों
पर 13 हजार 99 पुरुष और 8 हजार 643 महिला
सहित कुल 21 हजार 742 मतदाता हैं। चंद्रपुर जिले

मतदाता पंजीकृत हैं।
**संभाग में 14 हजार 197 दिव्यांग
मतदाता**

नागपुर संभाग में कुल 14 हजार 197 दिव्यांग
मतदाता हैं। इनमें 8 हजार 933 पुरुष, 5 हजार 262
महिला और दो अन्य मतदाता शामिल हैं। जिलावार
आंकड़ों के अनुसार, नागपुर में 8 हजार 64, भंडारा
में 1 हजार 34, गोंदिया में 1 हजार 887, वर्धा में
586, चंद्रपुर में 1 हजार 947 और गडचिरोली में
679 दिव्यांग मतदाता हैं।

80 वर्ष से अधिक आयु के 855 मतदाता

संभाग में 80 वर्ष से अधिक आयु के कुल 855
मतदाता हैं। इनमें 738 पुरुष और 117 महिलाएं
शामिल हैं। नागपुर जिले में इस आयु वर्ग के सर्वाधिक
721 मतदाता हैं। भंडारा में 36, गोंदिया में 24, वर्धा
में 36, चंद्रपुर में 34 और गडचिरोली में चार मतदाता
80 वर्ष से अधिक आयु के हैं। कुल मिलाकर, नागपुर
जिले में सबसे अधिक मतदाता और मतदान केंद्र हैं,
जबकि गडचिरोली जिले में सबसे कम मतदाता और
मतदान केंद्र दर्ज किए गए हैं।

गोंदिया में 18 से 20 अक्टूबर तक वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन

जगप्रेरणा गोंदिया।
**वन्यजीव एवं पर्यावरण
संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत
नागझिरा फाउंडेशन की ओर
से प्रतिवर्ष की परंपरा के
अनुसार इस वर्ष भी भव्य
वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शनी
का आयोजन**

किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी
रेलटोली स्थित गुजराती बालक मंदिर
में रविवार, 18 अक्टूबर से मंगलवार,
20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगी। प्रदर्शनी का
मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों में पर्यावरण, वन संपदा और
वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना है।
साथ ही, विद्यार्थियों और युवाओं को प्रकृति संरक्षण के
लिए प्रेरित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। इस प्रदर्शनी
के माध्यम से दर्शकों को वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास,
उनके जीवन और जैव विविधता के महत्व को छायाचित्रों

**नागझिरा
फाउंडेशन की
पहल; पर्यावरण
और वन्यजीव
संरक्षण के प्रति
जागरूकता बढ़ाने
का उद्देश्य**

के जरिए जानने का अवसर मिलेगा।
प्रदर्शनी में गोंदिया के प्रसिद्ध
छायाचित्रकार डॉ. राजेंद्र जैन द्वारा खींचे
गए वन्यजीवों के आकर्षक छायाचित्र
प्रदर्शित किए जाएंगे। इन तस्वीरों के
माध्यम से दर्शक वन्यजीवों की
प्राकृतिक दुनिया में भूमिका, उनकी
विशेषताओं और वन संरक्षण की
आवश्यकता के बारे में जानकारी प्राप्त
कर सकेंगे। नागरिकों की सुविधा के
लिए प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 10:30
बजे से रात 10 बजे तक खुली रहेगी।
इससे विद्यार्थी, युवा, प्रकृति प्रेमी और आम नागरिक
अपनी सुविधानुसार प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे।
वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक
दृष्टिकोण विकसित करने में ऐसे आयोजनों के महत्व को
देखते हुए नागझिरा फाउंडेशन ने विद्यार्थियों, युवाओं और
सभी नागरिकों से इस छायाचित्र प्रदर्शनी में शामिल होकर
इसका लाभ उठाने की अपील की है।